

कॉलोनियों के खाली प्लॉट में गंदा पानी और सीवेज...लोगों की बढ़ रही परेशानी

भोपाल। शहर के कई आवासीय क्षेत्रों में सीवेज व्यवस्था चरमराने के कारण खाली प्लॉटों और सड़कों के गड्ढों में गंदा पानी लगातार जमा हो रहा है। इससे आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से सीवेज जमा होने के कारण उठने वाली दुर्गंध और मच्छरों के प्रकोप से बीमारियों फैलने की आशंका बढ़ गई है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इन प्लॉटों और गड्ढों में बार-बार सीवेज का पानी भरता है, लेकिन नगर निगम जल निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है। बारिश के बाद स्थिति और भी बदतर हो जाती है, क्योंकि सीवेज और बारिश का पानी मिलकर जलभराव की समस्या को और गंभीर बना रहा है।



कई शिकायतें की पर कार्रवाई नहीं

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार नगर निगम में इसकी शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। लोगों का आरोप है कि स्वच्छता और सीवेज प्रणालियों



बढ़ रहा बीमारियों का खतरा

लोगों का कहना है कि जलजमाव से कॉलोनियों में मच्छर पनप रहे हैं। सीवेज मिलने से इलाके में दुर्गंध से लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। इससे बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ रही है।

न्यूज विंडो

खिलाड़ियों को टेनिस सिखाते-सिखाते आया हार्ट अटैक, मौत

भोपाल। अरेरा क्लब में खिलाड़ियों को टेनिस की ट्रेनिंग दे रहे कोच की अचानक तबीयत बिगड़ गई। क्लब स्टाफ ने सीपीआर देकर बचाने का प्रयास किया। उन्हें जेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हबीबगंज पुलिस के अनुसार 45 वर्षीय संजीव कुमार दिल्ली के रहने वाले थे। करीब तीन साल से अरेरा क्लब में टेनिस कोच थे। इसके अलावा भेल स्पोर्ट्स क्लब में भी प्रशिक्षण देते थे। ट्रेनिंग देते हुए वे अचानक गिर और मौत हो गई। उन्हें हार्ट अटैक आया था।

बजरंग दल कार्यकर्ता से मारपीट, आरोप में 2 पुलिसकर्मी लाइन अटैच

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र की आनंद नगर पुलिस चौकी में बजरंग दल कार्यकर्ता से मारपीट के आरोप में सहायक पुलिस आयुक्त अदिति भावसार सक्सेना ने एसआई उमेश कुमार मिश्रा और कांस्टेबल नरोत्तम गुर्जर को लाइन हाजिर कर दिया है। शिव नगर बस्ती के तरुण सराटे आनंद नगर में सैलून चलाते हैं और बजरंग दल से जुड़े हैं। 29 सितंबर की रात वे दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। आनंद नगर में आँटो चालकों का झुंड रास्ते में खड़ा था। तरुण ने साइड देने कहा तो विवाद हो गया। आँटो चालकों ने गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। तरुण ने पुलिस चौकी में फोन कर मदद मांगी। सूचना पर एसआई उमेश मिश्रा और कांस्टेबल नरोत्तम गुर्जर पहुंचे। आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने आँटो चालकों पर कार्रवाई के बजाय तरुण को ही चौकी ले गए। वहां उनसे मारपीट की।

हत्या के प्रयास मामले का आरोपी इनामी बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने हत्या की कोशिश के मामले में घटना के बाद से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी दुर्गेश रावत उर्फ दुग्गा (28) को 1250 अस्पताल की पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक 7 सितंबर को पंचशील नगर निवासी शराफत अली के बेटे वारिस अली पर अंशुल राय उर्फ हनुमान बच्चा ने पंचशील नगर में भोला रजक, विकास यादव और दुर्गेश रावत के साथ मिलकर हमला कर दिया था। आरोप है कि भोला रजक ने छुरी से उसके सिर, दाहिनी जांघ और बाएं कान पर वार किए। जाते-जाते आरोपियों ने धमकी दी कि इस बार बच गया, अगली बार जान से खत्म कर देंगे। थाना प्रभारी गौरव सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर दुग्गा को 1250 अस्पताल की पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया है।

मछली पकड़ने जा रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, मौत

भोपाल। बैरसिया इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद वह करीब 100 मीटर दूर जा गिरा और सड़क किनारे लगी रॉड से टकरा गया। जिससे सिर में चोट लग गई थी। बैरसिया थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी के अनुसार झिखरिया खुर्द निवासी गुफरान (48) पिता सुलेमान खान मछली पकड़ने का काम करता था। सुबह पांच बजे वह बाइक से अमरावती की ओर निकला था। लंगरपुर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से गुफरान बाइक से उछलकर 100 मीटर दूर जा गिरा। गुफरान के साथ काम करने वाला अंसार उसे तलाशते हुए सुबह करीब पौने सात बजे लंगरपुर के पास पहुंचा। जहां गुफरान घायल हालत में मिला। उसे ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

मेट्रो एंकर

31 मार्च तक खत्म करना है कचरे का पहाड़ आदमपुर खंती में 9 एकड़ से ‘लीगेसी वेस्ट’ साफ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आदमपुर खंती में 45 एकड़ जमीन पर जमे लीगेसी वेस्ट को खत्म करने दोबारा मशीनें शुरू हो गई हैं। अभी तक 9 एकड़ एरिया साफ हो चुका है। निगम के मुताबिक 31 मार्च तक खंती में खड़े कचरे के पहाड़ खत्म हो जाएंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट पर निगम 55 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। हालांकि पहले भी दो कंपनियां भाग चुकी हैं। लेकिन निगम को भरोसा है कि इस बार काम पूरा होगा। दरअसल भानुपुर खंती बंद होने के बाद भोपाल का पूरा कचरा खंती पहुंच रहा है। शहर में बने 14 गाबजे ट्रांसफर स्टेशनों से कैम्पलू में भरकर रोजाना 900 से एक हजार मीट्रिक



टन कचरा खंती भेजा जाता है। हालांकि निगम इस क्षमता को नकारता है। 8 साल में यहां रोजाना बड़ी मात्रा में कचरा पहुंचने से कचरे के पहाड़ खड़े हो गए। इन्हें खत्म करने पहले निगम ने ग्रीन रिसोर्स, फिर इंदौर की सुसज्जा कंपनी को ठेका दिया। लेकिन दोनों ही कंपनियां समय पर

कचरा साफ नहीं कर सकीं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। तब निगम ने ठेके प्लानिंग कर 55 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाया। लेकिन इतने बड़े खर्च को एमआईसी-परिषद मंजूरी देने को तैयार नहीं हुई। मामला शासन तक पहुंचा, फिर कचरे को खत्म करने का काम शुरू हुआ।

अभी ऐसी है हालत

18 सितंबर से सौराष्ट्र कंपनी ने आदमपुर कचरा खंती में दोबारा मशीनें शुरू कर दी हैं। अब तक 45 एकड़ एरिया में से 9 एकड़ जमीन से कचरा साफ हो चुका है। नगर निगम का दावा है कि 6.50 लाख मीट्रिक टन में से 4 लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट 31 मार्च तक खत्म हो जाएगा। कंपनी ने वेस्ट को खत्म करने तीन मशीनें लगाई हैं। इसमें दो मशीनें 250-250 टन प्रति घंटा क्षमता की हैं। एक मशीन की क्षमता 300 टन प्रति घंटा कचरा खत्म करने की है। 8-8 घंटे की शिफ्ट में इन मशीनों को चला रहा है।

अभी ऐसी है हालत

18 सितंबर से सौराष्ट्र कंपनी ने आदमपुर कचरा खंती में दोबारा मशीनें शुरू कर दी हैं। अब तक 45 एकड़ एरिया में से 9 एकड़ जमीन से कचरा साफ हो चुका है। नगर निगम का दावा है कि 6.50 लाख मीट्रिक टन में से 4 लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट 31 मार्च तक खत्म हो जाएगा। कंपनी ने वेस्ट को खत्म करने तीन मशीनें लगाई हैं। इसमें दो मशीनें 250-250 टन प्रति घंटा क्षमता की हैं। एक मशीन की क्षमता 300 टन प्रति घंटा कचरा खत्म करने की है। 8-8 घंटे की शिफ्ट में इन मशीनों को चला रहा है।

मास्टर प्लान 2047: ड्राफ्ट में 3,797.81 हेक्टेयर जमीन आरक्षित की गई

मिक्स्ड-यूज को बढ़ावा, लेकिन सड़कों पर बढ़ जाएगा लोड!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट में शहर के विकास के लिए कई बड़े प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत आवासीय, सार्वजनिक, अर्ध-सार्वजनिक, मिक्स्ड-यूज (मिश्रित उपयोग), और कृषि क्षेत्रों जैसी विभिन्न श्रेणियों में कमर्शियल व मिश्रित गतिविधियों की अनुमति दी गई है।

ड्राफ्ट के अनुसार, मिक्स्ड-यूज के लिए 2,448.84 हेक्टेयर और कमर्शियल उपयोग के लिए 1,348.97 हेक्टेयर जमीन प्रस्तावित है। कुल मिलाकर ये दोनों श्रेणियां 3,797.81 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती हैं, जो शहर के कुल 61,017.02 हेक्टेयर विकास योग्य क्षेत्र का लगभग 6.22% है।

ग्रोथ कॉरिडोर और हाई-डेंसिटी: प्लान में 51 किलोमीटर लंबे ग्रोथ कॉरिडोर के पास हाई-डेंसिटी उपयोग का प्रस्ताव है, जिसमें करीब 3,000 हेक्टेयर जमीन मिक्स्ड-यूज विकास के लिए रखी गई है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इसके कुछ हिस्से मौजूदा जमीन के उपयोग से ओवरलैप हो सकते हैं। आवासीय क्षेत्रों में व्यापार: कुछ खास शर्तों और सड़क की चौड़ाई के आधार पर विकसित आवासीय कॉलोनियों में भी गैर-आवासीय गतिविधियों को जारी रखने की छूट दी गई है। इसके लिए संपत्ति के पुराने रिकॉर्ड, टैक्स भुगतान और कमर्शियल बिजली कनेक्शन जैसी शर्तें पूरी करनी होंगी।



ये क्षेत्र रहेंगे बाहर: नए विकसित क्षेत्र, अनधिकृत कॉलोनियां, बिना अनुमति वाली इमारतें, अंदरूनी आवासीय सड़कें, पार्क, जल स्रोत, वन क्षेत्र और बफर जोन इन नियमों के दायरे से बाहर रखे गए हैं। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि किसी भी क्षेत्र में मिक्स्ड-यूज की अनुमति देने से पहले वहां के ट्रैफिक, पार्किंग, सीवेज, ड्रेनेज और कचरा प्रबंधन की वास्तविक क्षमता का ठीक से आकलन किया जाना चाहिए।

विशेषज्ञों की चिंताएं और सवाल

➤ बुनियादी ढांचे पर संकट: वास्तुकला और योजना विभाग के प्रोफेसर जगदीश सिंह का कहना है कि सिर्फ सड़क की चौड़ाई होने से यह तय नहीं होता कि वहां की स्थानीय सड़कें, पार्किंग, पानी, बिजली, ड्रेनेज और अग्निशमन प्रणालियां इस अतिरिक्त भार को संभाल पाएंगी या नहीं।

➤ निचले इलाकों की समस्या: टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के विशेषज्ञों का मानना ​​है कि भोपाल में कई बड़े निचले इलाके हैं। ऐसे में केवल सड़क की

चौड़ाई देखकर किसी इलाके में कमर्शियल गतिविधि की अनुमति देना खतरनाक साबित हो सकता है। ➤ पार्किंग की समस्या: ड्राफ्ट में हर 50 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र पर एक कार पार्किंग का प्रस्ताव है। छोटे या लीज वाले प्लॉटों पर इसे लागू करना बेहद कठिन होगा। हालांकि, ड्राफ्ट में पार्किंग न होने पर जुर्माना (कम्पेस्टेरी पेमेंट) भरने का विकल्प है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना ​​है कि केवल फीस वसूलने से अतिरिक्त जमीन या पार्किंग स्पेस पैदा नहीं हो जाएगा।

बैरसिया के ग्राम बांदीखेड़ी में कार्रवाई क्षमता से ज्यादा विस्फोटक सामग्री मिलने पर पटाखा फैक्ट्री की सील

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बैरसिया के ग्राम बांदीखेड़ी स्थित पटाखा फैक्ट्री में तय क्षमता से अधिक विस्फोटक सामग्री का भंडारण मिलने पर प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने फैक्ट्री को सील कर दिया।

निरीक्षण के दौरान सुरक्षा और संचालन से जुड़ी कई अन्य अनियमितताएं भी सामने आईं। बताया गया है कि शिकायत मिलने के बाद मामले के पहाड़ खड़े हो गए। इन्हें खत्म करने शिकायत की पुष्टि होने पर छापामार कार्रवाई की गई। मौके पर फैक्ट्री की जांच करने बैरसिया एसडीएम शिवांगी बघेल, एसडीओपी वैशाली

सिंह, तहसीलदार दुर्गा पटले और थाना प्रभारी गुनगा रिकू जाटव पहुंचे। अधिकारियों की टीम फैक्ट्री परिसर में अधिक मात्रा में रखी विस्फोटक सामग्री देख हैरान रह गई। आगजनी से बचाव के लिए सुरक्षा व्यवस्थाएं भी नहीं मिलीं। फैक्ट्री में न पर्याप्त अग्निशमन यंत्र मिले और न ही रेत से भरी हुई बाल्टियां मिलीं। जांच के दौरान तय सीमा से अधिक विस्फोटक सामग्री का भंडारण पाया गया। : निरीक्षण में अनियमितताएं सामने आने पर विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों के उल्लंघन की श्रेणी में पाई गई।

अधिवक्ता परिषद की राष्ट्रीय कार्यशाला में अधिवक्ताओं को मिली विधिक जानकारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पीपल्स यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देशभर से आए अधिवक्ताओं एवं परिषद के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में अधिवक्ताओं को विभिन्न विधिक विषयों, न्याय व्यवस्था तथा अधिवक्ता परिषद की भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई।

कार्यशाला के दौरान वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों ने अधिवक्ताओं के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया। अधिवक्ताओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कानून एवं न्याय व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में संगठनात्मक गतिविधियों और अधिवक्ताओं की सामाजिक एवं विधिक जिम्मेदारियों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर जिला अध्यक्ष राकेश गिरी ने कहा कि इस



तरह की कार्यशालाओं से अधिवक्ताओं को नए विधिक विषयों की जानकारी मिलने के साथ ही अपने दायित्वों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में अधिवक्ताओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई, जिसका लाभ उन्हें अपने व्यावसायिक एवं सामाजिक कार्यों में मिलेगा।

राकेश गिरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी की सहभागिता से तीन दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हो सकी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं परिषद के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सार्वजनिक रूप से शराब पीने के रोज आ रहे 20-25 मामले

5 महीनों में 27,152 चालान, पर नशेड़ियों को खुली घूट, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में ट्रैफिक पुलिस के दावों और जमीनी हकीकत के बीच का फर्क अब चीख-चीखकर सामने आ रहा है। एक तरफ ट्रैफिक पुलिस कागजी आंकड़ों को चमकाने के लिए पिछले 5 महीनों में सिग्नल तोड़ने और ओवरस्पीडिंग के नाम पर **27,152 चालान** काटने का ढिंढोरा पीट रही है, तो वहीं दूसरी तरफ शहर की सड़कों पर खुलेआम मौत बनकर दौड़ रहे शराबी वाहन चालकों पर पुलिस की आंखें पूरी तरह बंद हैं। हैरानी की बात यह है कि इस पांच महीने की लंबी अवधि में ड्रंक ड्राइविंग (शराब पीकर गाड़ी चलाने) का एक भी ग्राइवेट वाहन चालक का चालान नहीं काटा गया है!

एक तरफ थानों का हाल यह है कि शहरभर में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के रोजाना 20 से 25 मामले** दर्ज किए जा रहे हैं, खासकर देर रात के वक़्त। टीटी नगर, एमपी नगर, बागसेवनिया और अशोका गार्डन जैसे वीआईपी और व्यस्त इलाकों में लोग जमकर शराबखोरी कर रहे हैं और उसके बाद बेखौफ होकर गाड़ियां चला रहे हैं। वीकेड में तो दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाने के नज़रे आम हैं। इसके बावजूद यह बड़ा सवालिया निशान है कि आखिर ट्रैफिक चेकिंग के दौरान इन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या पुलिस किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है?



सिर्फ कागज़ों पर हैं ब्रेथ एनालाइजर....

ट्रैफिक विभाग बड़े गर्व से यह दावा करता है कि उनके पास वाहन चालकों में शराब के सेवन की जांच के लिए पर्याप्त संख्या में ब्रेथ एनालाइजर मौजूद हैं। अगर मशीनें और अमला दोनों मौजूद हैं, तो फिर पांच महीने के भीतर एक भी शराबी ड्राइवर पर कार्रवाई न होना किस गहरी लापरवाही या मिलीभगत की ओर इशारा करता है? खानापूर्ति में जुटी पुलिस आंकड़ों के नाम पर पुलिस ने नौ नाबालिगों, 191 ट्रिपल-राइडिंग और 131 स्टैट-ड्राइविंग के मामलों पर कार्रवाई कर अपनी पीट थपथपा ली है। इसके अलावा ड्राइविंग के वक़्त मोबाइल चलाने वाले 44 लोगों, मोंडिफ़ाइड साइलेंसर वाले 22 वाहनों और तंबाकू का सेवन करने वाले 2 चालकों पर जुर्माने की औपचारिकता पूरी की गई है, यहां तक कि इट्टी के दौरान नशे में मिले एक बस कंडक्टर को भी नहीं बख़्शा गया। लेकिन सवाल यह है कि जानलेवा साबित होने वाले ड्रंक ड्राइवर्स पर मेहरबानी क्यों बरती जा रही है?

पुलिस ने पीछा कर दबोचा चालक को सड़क पर फेंककर आँटो लूट लिया

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में दो बदमाशों ने आँटो चालक को लूट लिया। बदमाशों ने चालक को सड़क पर फेंका और दोनों आँटो लेकर फरार हो गए। आरोपी अशोकनगर की ओर भाग रहे थे, लेकिन सीएनजी खत्म होने पर कुदावल के पास आँटो बंद हो गया। इसी दौरान पीछा कर रही पुलिस टीम ने दोनों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर की रात अब्बास नगर निवासी आँटो चालक अरमान को निजामुद्दीन पिपलानी के पास एक युवक ने आँटो बुक किया था। उसने अयोध्या नगर के सी सेक्टर से एक अन्य साथी को बैठकर भानुपुर जाने की बात कही। आँटो में दोनों के बैठने के बाद कुछ दूर सुनसान रास्ते पर पहुंचते ही उन्होंने चालक को आगे-पीछे से पकड़कर मारपीट शुरू कर दी।

दुकानों में कारोबारी तो घर में बच्चे-बड़े सभी गर्मी से परेशान

मैंटेनेंस के नाम पर हर दूसरे दिन घंटों बिजली कटौती पानी सप्लाई प्रभावित, रहवासी-व्यापारी सब परेशान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

संत नगर उपनगर में हर दूसरे दिन घंटों तक हो रही बिजली कटौती व्यापारियों और रहवासियों के परेशानी का कारण बन रही है। बिजली कटौती से व्यापारी परेशान हो रहे हैं। क्योंकि व्यापारिक क्षेत्र होने से दिनभर ग्राहकी रहती है। वहीं, रहवासी क्षेत्र में पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। बिजली नहीं होने से जलकार्य विभाग द्वारा पानी की टंकी नहीं भरी जा रही है। इससे बैरागढ़ के कई क्षेत्रों में पानी सप्लाई समय पर नहीं हो पाता है। लोग दिनभर पानी के लिए परेशान होते हैं। वहीं, स्कूलों में बच्चे भी गर्मी से बेहाल नजर आते हैं।

पहले मानसून से पहले या कभी-कभी मैंटेनेंस के नाम पर बिजली गुल



की जाती थी या शनिवार को दिन तय कर दिया जाता था। चूंकि इस दिन पूरा बाजार बंद रहता है। जलकार्य विभाग से समन्वय भी था, ताकि जल सप्लाई प्रभावित न हो। लेकिन एक साल से मैंटेनेंस के नाम से कई घंटों तक बिजली गुल हो रही है। इससे रहवासी क्षेत्र में पानी सप्लाई नहीं हो पा रही है। सबसे ज्यादा परेशानी सैनिक कॉलोनी, वीवार्ड में हो रही है। हर दूसरे दिन पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है।

सुबह की बजाय शाम को पानी सप्लाई

बिजली कटौती से टंकी नहीं भर पाती है और सैनिक कॉलोनी के रहवासी पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। उन्हें सुबह की बजाय देर शाम पानी की सप्लाई की गई। विद्युत वितरण कंपनी ने मैंटेनेंस कार्य के चलते शनिवार को भी बिजली की सप्लाई बाधित रखी गई। कंपनी ने बताया, प्लाईओवर निर्माण कार्य में आ रही बिजली लाइनों के शिफ्टिंग कार्य और ट्रांसफॉर्मर के पुराने खराब जम्परों को बदला जा रहा है। इससे सुबह 11 से शाम 5 बजे तक हलालपुर फीडर से बिजली सप्लाई बंद रही। इस बीच लोग परेशान होते रहे।

रोजगार, कौशल, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार और उभरती तकनीक होंगी प्रमुख केंद्र

भोपाल में कल जुटेगी 20 हजार युवाओं की ताकत, सीएम से होगा सीधा संवाद

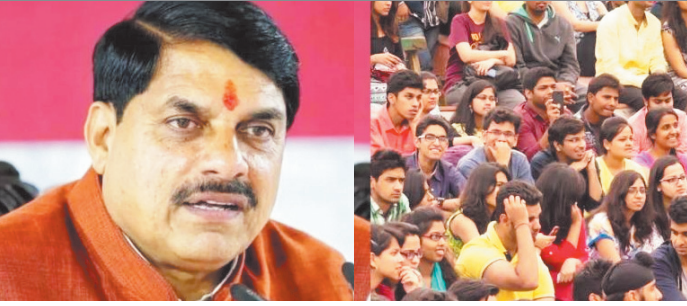
भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की युवा शक्ति को नई दिशा, अवसर और संभावनाओं से जोड़ने के लिए राजधानी भोपाल में सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन 6 अक्टूबर को लाल परेड मैदान में किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में होने वाले इस बड़े आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 20 हजार से अधिक युवाओं से सीधे संवाद करेंगे। कॉन्क्लेव में युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उच्च शिक्षा, तकनीकी

शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने लाल परेड मैदान पहुंचकर कार्यक्रम स्थल, प्रदर्शनी कक्षों और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी व्यवस्थाएं तय समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी को देखते हुए सुविधा, सुरक्षा और कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

17 विभाग बताएंगे रोजगार और अवसरों की राह

कॉन्क्लेव में 17 शासकीय विभागों के साथ विभिन्न संस्थाएं भी भाग लेंगी। उच्च शिक्षा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, श्रम, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, आयुष तथा पुलिस और साइबर सुरक्षा जैसे विभाग युवाओं को अपनी योजनाओं और गतिविधियों से परिचित कराएंगे। मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर और सेडमेप के माध्यम से स्वरोजगार, उद्यमिता और कौशल विकास से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी।



80 से अधिक प्रदर्शनी कक्ष होंगे आकर्षण

कॉन्क्लेव में 80 से अधिक प्रदर्शनी कक्ष बनाए जाएंगे। इनमें विश्वविद्यालयों, विभागों, संस्थाओं और नवोदित उद्यमों की ओर से रोजगार, प्रशिक्षण, करियर, उद्यमिता, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और सरकारी योजनाओं से संबंधित गतिविधियां प्रदर्शित की जाएंगी। विश्वविद्यालय शिक्षा और अनुसंधान के साथ नवाचार, ड्रोन प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और करियर के नए अवसरों पर भी प्रस्तुतियां देंगे।

एआई, रोबोटिक्स और ड्रोन पर विशेष फोकस

कॉन्क्लेव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, अर्धचालक प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत वाहन जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर विशेष जोर रहेगा। युवाओं को इन क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोजगार की संभावनाओं से रूबरू कराया जाएगा। युवाओं को करियर मार्गदर्शन, कौशल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य, आयुष, उद्योग, रोजगार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और उद्यमिता जैसे विषयों पर विशेषज्ञों से जानकारी मिलेगी।

पुलिस विभाग महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, यातायात जागरूकता और जन-सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी जागरूकता गतिविधियां संचालित करेगा। जूबिन नॉटियाल और कबीर कैफे बढ़ाएंगे जोश-युवा संवाद और मार्गदर्शन के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कॉन्क्लेव का प्रमुख आकर्षण होंगे। सुप्रसिद्ध पार्थ गायक जूबिन नॉटियाल और मुंबई के कबीर कैफे की प्रस्तुतियां युवाओं में उत्साह और ऊर्जा का संचार करेंगी।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद बढ़ने के साथ बढ़ी प्रदेश की ऋण क्षमता

एमपी में विकास की रफ्तार तेज, सड़क-बांध से बिजली तक एक लाख करोड़ खर्च का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने बेहतर राजकोषीय प्रबंधन के साथ प्रदेश में बड़ी अधोसंरचना परियोजनाओं को तेजी देने की रणनीति तैयार की है। सड़क, एक्सप्रेस-वे, सिंचाई, बांध, नहर, विद्युत, मेडिकल कॉलेज, स्कूल-कॉलेज और अन्य निर्माण कार्यों के लिए सरकार वित्तीय संसाधन जुटा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के लिए करीब 87 हजार करोड़ रुपये की ऋण सीमा निर्धारित की है। इसके तहत राज्य सरकार सितंबर 2026 तक भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से 37 हजार 400 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त कर चुकी है।

विकास कार्यों के लिए लिया जा रहा ऋण

सरकार का कहना है कि आरबीआई के माध्यम से लिया जाने वाला ऋण मुख्य रूप से पूंजीगत व्यय यानी विकास और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है। सड़क, बिजली, सिंचाई, बांध और नहर जैसी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार के अनुसार वेतन और लाइली बहना जैसी सामाजिक योजनाओं के नियमित राजस्व व्यय के लिए अलग से ऋण नहीं लिया जाता। राज्य सरकार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम तथा केंद्र द्वारा निर्धारित ऋण सीमा के भीतर ही बाजार से कर्ज लेती है। आवश्यकता के अनुसार समय-समय पर ऋण लिया जाता है और पूर्व में लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान भी किया जाता है।



आरबीआई की नीलामी से जुटाया जाता है पैसा

राज्य सरकार स्टेट डेवलपमेंट लोन के माध्यम से बाजार से ऋण जुटाती है। इसके लिए आरबीआई के ई-कुबेर मंच पर प्रतिस्पर्धी बोलायों प्राप्त की जाती हैं। इससे बाजार में उपलब्ध अनुकूल और प्रतिस्पर्धी व्याज दरों पर ऋण लेने का अवसर मिलता है। बेंचमार्क इश्यूअन्स रणनीति के तहत आरबीआई राज्यों के लिए माह में दो बार नीलामी में भाग लेने के दिन निर्धारित करती है। मध्यप्रदेश के लिए यह दिन मंगलवार है। मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में अपनी

स्वयं की आय, विभिन्न निगमों और आरबीआई के माध्यम से जुटाए गए ऋण से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि विकास कार्यों पर खर्च करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सड़क, बांध, बिजली और नहर जैसी बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं के साथ केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। इससे जुड़े बांध और नहर निर्माण के अलावा विद्युत परियोजनाओं को भी गति दी जा रही है।

सड़क से मेडिकल कॉलेज तक विकास का विस्तार

सरकार के अनुसार पूंजीगत व्यय केवल बड़े सड़क या सिंचाई प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। आमजन के लिए स्कूल-कॉलेज, विश्वविद्यालयों के विस्तार, मेडिकल कॉलेज और पुलिस विभाग के निर्माण कार्य भी इसमें शामिल हैं। सरकार का मानना ​​है कि इन परियोजनाओं से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और दीर्घकाल में रोजगार एवं आय के नए अवसर पैदा होंगे। संविधान के अनुच्छेद 293(3) के तहत राज्य सरकारें केंद्र की सहमति से ऋण लेती हैं। सामान्य परिस्थितियों में राज्य की ऋण सीमा सकल राज्य घरेलू उत्पाद के करीब तीन प्रतिशत तक निर्धारित होती है। जीएसडीपी में वृद्धि होने के साथ राज्य की ऋण लेने की क्षमता भी बढ़ती है।

ऋण-जीएसडीपी अनुपात 32.53 प्रतिशत

राज्य सरकार ने वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण मानक ऋण-जीएसडीपी अनुपात को भी रेखांकित किया है। मध्यप्रदेश का यह अनुपात 32.53 प्रतिशत बताया गया है, जिसे सरकार प्रचलित मानकों के अनुरूप मानती है। वहीं ब्याज भुगतान और राजस्व प्राप्ति का अनुपात करीब 10 से 11 प्रतिशत है। सरकार के अनुसार यह भी सुरक्षित स्तर पर बना हुआ है।

मार्च 2027 तक और ऋण लेने की तैयारी

मध्यप्रदेश सरकार की योजना 87 हजार करोड़ रुपये तक की निर्धारित ऋण सीमा का उपयोग करने की है। सितंबर तक 37,400 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं और आगामी महीनों में मार्च 2027 तक विकास परियोजनाओं की जरूरत के अनुसार आरबीआई के माध्यम से और ऋण लिया जाएगा।

बकाया राशि को लेकर एसोसिएशन का फैसला

8 अक्टूबर से आयुष्मान योजना का बहिष्कार, चेतावनी-1000 एम्बुलेंस से दिल्ली कूच करेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में 8 अक्टूबर से आयुष्मान योजना का अनिश्चितकालीन बहिष्कार किया जाएगा। यानी, कहा आयुष्मान योजना में मरीजों का इलाज नहीं होगा। उन्होंने एनबीएचएस की अनिवार्यता को भी तुरंत हटाने की मांग की। सरकार ने फैसला लिया है कि एनबीएचएस सर्टिफिकेट मिलने के बाद अस्पताल में इलाज की पात्रता होगी। भोपाल के ज्यादातर हॉस्पिटल का आयुष्मान योजना का औसत डेढ़ से 2 करोड़ रुपए तक बकाया है। इसे लेकर अब चिकित्सा एवं अस्पताल संगठनों ने निर्णायक आंदोलन का ऐलान किया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने घोषणा की है कि 8 अक्टूबर से आयुष्मान भारत योजना का प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन बहिष्कार किया जाएगा। आईएमए मध्य प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. भजनलाल शरणगात ने कहा कि अस्पतालों के पुराने एवं वर्तमान पोर्टल पर लंबित भुगतान, सीपीडी स्तर पर अटके क्लेम, क्लेम रिजेक्शन और अनावश्यक कटौतियों सहित कई समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं।



इलाज से पहले स्वीकृति, बाद में क्लेम रिजेक्ट करने पर सवाल

अस्पताल संगठनों का कहना है कि मरीज के उपचार से पहले बीमारी, प्रस्तावित उपचार और पैकेज के आधार पर प्री-ऑथराइजेशन लिया जाता है। इसके बाद अस्पताल अपने संसाधनों और खर्च पर मरीज का उपचार करता है। ऐसे में इलाज पूरा होने के बाद बिना ठोस कारण वैध क्लेम को रिजेक्ट अथवा बड़ी राशि की कटौती करना अस्पतालों के लिए गंभीर आर्थिक संकट पैदा करता है। यूपीएचडीए मध्य प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह बघेल ने कहा कि अस्पताल लंबे समय से लंबित भुगतान और नीतिगत व प्रक्रियागत समस्याओं के व्यावहारिक समाधान की मांग कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समस्याओं का संतोषजनक समाधान होने तक अस्पताल संगठन संयुक्त आंदोलन में एकजुट रहेंगे।

दिल्ली जाकर अपनी बात रखेंगे

यूपीएचडीए मध्य प्रदेश के चेयरमैन एडवाइज़री डॉ. जीशान अहमद ने कहा कि वास्तविक मरीज, वास्तविक बीमारी और वास्तविक उपचार के बावजूद केवल तकनीकी या प्रक्रियागत कारणों से वैध क्लेम रोकना उचित नहीं है। मरीज का इलाज कैशलेस हो सकता है, लेकिन कस्टलेस नहीं। अस्पताल से पूरा इलाज करवाने के बाद वैध क्लेम रोकना, काटना या रिजेक्ट करना किसी भी व्यवस्था के लिए टिकाऊ नहीं है। दिल्ली में 1 हजार एम्बुलेंस के साथ कूच करेंगे और जिम्मेदारों के सामने अपनी बात रखेंगे। अस्पताल संगठनों ने आयुष्मान योजना में एनबीएच की अनिवार्यता समाप्त कर इसे स्वेच्छिक एवं प्रोत्साहन आधारित व्यवस्था बनाने की मांग की है।

मध्यनप्रदेश पुलिस की ऑपरेशन मुस्कान के तहत प्रभावी कार्यवाही

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित घर वापसी के लिए 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत लगातार संवेदनशील एवं सघन प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों की तलाश के लिए स्थानीय स्तर पर सर्चिंग, तकनीकी विश्लेषण और सूचना तंत्र को सक्रिय करने के साथ आवश्यकता के अनुसार पुलिस टीमों प्रदेश की सीमाओं से बाहर जाकर भी कार्रवाई कर रही हैं। इन्हीं विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप विगत एक माह में पुलिस ने अब तक गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब, नई दिल्ली, जम्मू-कश्मीर एवं राजस्थान राज्यों से 20 बालक-बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिवारों से मिलाया है।

बच्चों को पोषण योजनाओं से वंचित नहीं करने की मांग उठाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आधार नहीं होने या उससे जुड़ी तकनीकी दिक्कतों के कारण किसी भी बच्चे को आंगनबाड़ी, मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति और अन्य अधिकारों से वंचित नहीं किया जाए। बच्चों के लिए फेस रिकग्निशन, ई-केवायसी और अनिवार्य ऐप जैसी व्यवस्थाओं को बंद किया जाए।

आंगनबाड़ी और स्कूलों में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य सामग्री से गर्म पका भोजन दिया जाए। बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी सरकारी योजनाओं के निजीकरण और व्यावसायीकरण को रोकना जाए।

मेट्रो एंकर

नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने लिया सफारी का रोमांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार को खेल और वन्यजीव संरक्षण का अनूठ संगम देखने को मिला। ओलंपिक स्पर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने बांधवगढ़ पहुंचकर जंगल सफारी का आनंद लिया। दोनों खिलाड़ियों ने वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए वन अधिकारियों और मैदानी अमले से मुलाकात की। उनकी मौजूदगी ने वन्यजीव सप्ताह के आयोजन को खास बना दिया।

नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने जंगल सफारी के दौरान बांधवगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को करीब से देखा। उन्होंने वन अधिकारियों एवं फील्ड स्टाफ से बाघ संरक्षण,



वन्यजीव प्रबंधन और ईको-टूरिज्म से जुड़े प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों खिलाड़ियों ने जंगल और वन्यजीवों के संरक्षण में मैदानी कर्मचारियों की भूमिका को समझा और उनके कार्यों की सराहना की। वन्यजीव सप्ताह के तहत टाइगर रिजर्व के कोर गेट पर आयोजित कार्यक्रम में दोनों खेल हस्तियों ने 'सिग्नेचर कैपेन-

भोपाल में जुटे 18 राज्यों ने बुलंद की आवाज

देश के 60 लाख आंगनबाड़ी वर्कर, आशा और रसोइयों को दी जाए पक्की नौकरी



ये प्रमुख मांगें: बच्चों के भोजन और पोषण के अधिकार पर आईकम आश्रम में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन जारी हुए भोपाल घोषणा पत्र में शामिल की गई हैं। अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर पर 'आंगनबाड़ी टीक करो' अभियान चलाने, बच्चों के भोजन के अधिकार पर राज्यों में अधिवेशन आयोजित करने और राष्ट्रीय

स्तर पर साझा कार्रवाई करने का भी निर्णय लिया गया। सम्मेलन में 18 राज्यों के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्योतिका जैन, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्प्स की महासचिव एआर सिंधु और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा प्रमुख रूप से शामिल हुए।

बांधवगढ़ में दिखा खेल और जंगल का संगम

जिम्मेदार पर्यटन का दिया संदेश

प्लेज बोर्ड पर हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से वन्यजीवों के प्रति सम्मान और जंगलों में जिम्मेदार व्यवहार का संदेश दिया गया। लोगों से प्लास्टिक के उपयोग से बचने, जंगल को स्वच्छ रखने और प्राकृतिक वातावरण में शांति बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही वन्यजीव क्षेत्रों में पर्यटन के दौरान प्रकृति और वन्यजीवों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। बांधवगढ़ में नीरज

चोपड़ा और गगन नारंग की भागीदारी ने वन्यजीव सप्ताह के संदेश को नई पहुंच दी। देश के दो वरिष्ठ ओलंपिक पदक विजेताओं ने अपने खेल से युवाओं को प्रेरित किया है और अब वन्यजीव संरक्षण के संदेश से भी लोगों को जोड़ने की पहल की। उनकी मौजूदगी से प्रकृति संरक्षण, वन्यजीवों के सम्मान और जिम्मेदार पर्यटन को लेकर जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को मजबूती मिली।

संवेदनशीलता का संदेश दिया गया। दोनों ओलंपिक पदक विजेताओं ने प्रशिक्षु वनरक्षकों से संवाद भी किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में वन और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे वनकर्मियों के समर्पण की सराहना की। खिलाड़ियों ने कहा कि वन संरक्षण की जिम्मेदारियों के साथ शारीरिक और

मानसिक रूप से फिट रहना भी जरूरी है। नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने वनकर्मियों को अपने व्यस्त कार्य के बीच समय निकालकर खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। खिलाड़ियों ने अपने खेल अनुभवों से फिटनेस और अनुशासन के महत्व को भी साझा किया।

अंटार्कटिका की बर्फ केवल जमी हुई पानी की परत नहीं, बल्कि धरती के तापमान को संतुलित रखने वाली प्राकृतिक ढाल है। इसलिए वहां समुद्री बर्फ का लगातार कम होना सिर्फ वैज्ञानिकों की चिंता नहीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए चेतावनी है। सवाल यह नहीं कि अंटार्कटिका कितना पिघल रहा है, सवाल यह है कि उसके पिघलने की कीमत आखिर कौन चुकाएगा? 14 सितंबर 2026 को अंटार्कटिका में समुद्री बर्फ का अधिकतम क्षेत्रफल 17.59 मिलियन वर्ग किलोमीटर दर्ज किया गया, जो उपग्रह निगरानी शुरू होने के बाद तीसरा सबसे कम स्तर

है। बढ़ता वैश्विक तापमान, दक्षिणी महासागर का गर्म होना, बदलती हवाएं और अल नीनो जैसी परिस्थितियां इसके पीछे प्रमुख कारणों में हैं। सदियों में जिस बर्फ का विस्तार होना चाहिए, उसका अपेक्षित रूप से न बढ़ना प्रकृति के बदलते मिजाज का गंभीर संकेत है। ध्रुवों में होने वाला बदलाव दुनिया के बाकी हिस्सों से अलग नहीं है। सफेद बर्फ सूर्य की किरणों और गर्मी को अंतरिक्ष में वापस भेजती है। इसे अल्बेडो प्रभाव कहा जाता है। लेकिन बर्फ घटने पर गहरा समुद्र सामने आता है, जो अधिक गर्मी सोखता है।

सफेद प्रहरी पिघलने लगा

इससे तापमान और बढ़ता है, बर्फ और तेजी से पिघलती है और गर्मी बढ़ने का यह चक्र और मजबूत होता जाता है। इसके परिणाम समुद्र तटों तक सीमित नहीं रहेंगे। बढ़ता समुद्री जलस्तर तटीय शहरों में बाढ़, कटाव और चरम मौसम की घटनाओं का खतरा बढ़ा सकता है। भारत के मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहर भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। यानी अंटार्कटिका की बर्फ का संकट वास्तव में हमारे भविष्य का संकट है। कृत्रिम रूप से बर्फ जमाने जैसे उपाय वैज्ञानिकों को उम्मीद जरूर देते हैं, लेकिन वे

स्थायी समाधान नहीं हैं। यदि एक ओर कृत्रिम बर्फ बनाई जाए और दूसरी ओर कोयला, तेल और गैस का इस्तेमाल जारी रहे, तो हम समस्या का इलाज नहीं, केवल उसके लक्षणों को ढकेंगे। स्थायी समाधान धरती को गर्म करने वाली गतिविधियों को कम करने में है। सौर, पवन और जल ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को तेजी से अपनाना होगा। जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की सीमा में बंधा संकट नहीं है। अंटार्कटिका आज हमें चेतावनी दे रहा है। अब सवाल यह है कि दुनिया इस चेतावनी को सुनेगी या बर्फ के पूरी तरह पिघलने का इंतजार करेगी?

आदिवासी इलाकों में घाव कुरेदने के बजाय विकास का विश्वास देखने की जरूरत



कांग्रेस और प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के जगला गाँव (बिरसा ब्लॉक) के दौरे में आदिवासियों से बातचीत के दौरान बैगा आदिवासी बहुल इलाकों में बीमारी, गंभीर कुपोषण, मलेरिया और दूषित पानी के कारण बच्चों की हुई मौतों पर गहरा दुख जताया और इसे सरकार की 100% विफलता बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'ऐसा लगता है जैसे देश के बीचों-बीच रहने वाले आदिवासी परिवारों को पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया गया है, और न तो केंद्र सरकार और न ही मध्य प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है।' क्या आदिवासी समाज की पूरी कहानी केवल किसी दुखद घटना, गरीबी, कुपोषण अथवा सरकारी विफलता की कहानी है? क्या पिछले वर्षों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दूसरे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में हुए बदलावों की भी चर्चा नहीं होनी चाहिए?और खासकर 2026 में जब भारत सरकार ही नहीं दुनिया देश को नक्सल-मुक्त बनाने के अभियान की सफलता की तारीफ़ कर रही है। आदिवासी क्षेत्रों ने दशकों तक दोहरी मार झेली है।एक ओर गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और प्रशासन की पहुंच जैसी समस्याएं थीं।दूसरी ओर नक्सल हिंसा थी।नक्सलवाद ने सबसे ज्यादा नुकसान उठ्ठी इलाकों को पहुंचाया जिनके नाम पर उसकी राजनीति की जाती थी।

इसे संयोग ही कहा जाएगा कि जिस समय राहुल गांधी आदिवासियों की अनदेखी पर राजनीति कर भोले भाले लोगों को भड़का रहे थे , उन्हीं दिनों मैं आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ की यात्रा कर रहा था। वह भी एक पत्रकार यशवंत धोटे द्वारा 15 वर्ष पहले शुरू किए गए दैनिक ' नव प्रदेश ' द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सेवा करने वाले युवाओं , महिलाओं , बुजुर्गों के सम्मान के लिए आयोजित समारोह को देखने के लिए । आयोजन राजधानी रायपुर से दूर बेमेतरा में हुआ , जहाँ आदिवासी बच्चियों , महिलाओं पुरुषों ने गीत संगीत नृत्य से सबके साथ मुझे भी बहुत प्रसन्न और प्रभावित किया। समारोह के पहले और बाद में सामान्य लोगों , भाजपा और कांग्रेस से जुड़े कुछ नेताओं से बातचीत में अहसास हुआ कि छत्तीसगढ़ में सचमुच नया विश्वास आ रहा है । अब उन्हें माओवादियों की बंदूकों का डर नहीं , जल्दी से जल्दी अच्छी सड़कें , शिक्षा और स्वास्थ्य तथा अपने बनाए कुटीर उद्योग के सामान के दूर तक पहुंचाकर आमदनी बढ़ाने की चाह है ।

पत्रकार के नाते मैं 1976 से समय समय पर छत्तीसगढ़ जाता रहा हूँ । उन दिनों बस से बस्तर तक की कठिन यात्राएं भी की हैं । बस्तर के गाँव के हाट बाजार में 20 मील दूर से केवल नमक खरीदने के लिए आने वाले आदिवासियों से स्थानीय व्यक्ति से उनकी भाषा समझकर बात की थी । तब आदिवासियों ने बताया था कि वे किसी तरह पेड़ पत्तों और लाल काले चीटों को खाने के लिए यह नमक लेने आते हैं । फिर कुछ वर्ष बाद नक्सल माओवादी हिंसा ने इस इलाके को प्रभावित किया । लेकिन पिछले कुछ वर्षों मं दो तीन यात्राओं के दौरान रायपुर बिलासपुर दुर्ग ही नहीं बस्तर जगदलपुर और दंतेवाड़ा में आदिवासियों की जिंदगी में भारी बदलाव और आर्थिक विकास आत्म निर्भरता का विश्वास देखने को मिला ।

कांग्रेस राज में राजनीतिक उदारता मानव अधिकारों के नाम पर माओवादी नक्सली तत्वों और उनकी सहायता करने वाले शिक्षित लोगों को छूट दी गई । जिससे सड़क बनाने वाले मजदूरों को धमकايا गया। स्कूल भवनों को उड़ाया गया। पुलों को निशाना बनाया गया। मोबाइल टावरों और सरकारी संस्थानों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस, सुरक्षा बलों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की हत्या हुई।इसलिए आज जब सुरक्षा के हालात बदल रहे हैं, तब राहुल गांधी द्वारा केवल यह पूछना पर्याप्त नहीं

कि सरकार ने क्या नहीं किया।यह भी बताना चाहिए कि अब क्या संभव हो रहा है? आखिरकार पड़ोसी तेलंगाना , आंध्र और झारखण्ड में गैर भाजपा सरकारें हैं । वे भी नक्सल प्रभावित रहे और अब केंद्र की मोदी सरकार के सहयोग से आदिवासी इलाकों में विकास के कार्य कर रहे हैं ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में नक्सलवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में प्रस्तुत नहीं किया। उनकी सरकार ने सुरक्षा अभियान के साथ सड़क, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग, शिक्षा और सरकारी योजनाओं की पहुंच को भी रणनीति का हिस्सा बनाया। कभी हिंसा और पिछड़ेपन से प्रभावित क्षेत्रों में अब बड़े पैमाने पर प्रगति हो रही है। उन्होंने विशेष रूप से 12,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों, मोबाइल टावरों, बैंकिंग, डाक और संचार नेटवर्क का विस्तार हो रहा है । उन्होंने बस्तर ओलंपिक्स को भी उस बदलाव का प्रतीक बताया जिसमें युवाओं की आकांक्षाएं हिंसा के पुराने भय की जगह ले रही हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं आदिवासी समाज से आते हैं। इसलिए उनके सामने अवसर भी बड़ा है और

जिम्मेदारी भी। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री साय , पूर्व मुख्यमंत्री और विधान सभा के अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह से भी आदिवासी इलाकों की चुनौतियों और विकास कार्यों पर थोड़ी अनौपचारिक चर्चा हुई । यह भी महत्वपूर्ण है कि छत्तीसगढ़ और ओडिसा में पहली बार आदिवासी मुख्यमंत्री बने हैं । गैर राजनीतिक लोगों से भी कुछ बातचीत हुई । हॉ तब सांसद और केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय ने डॉक्टर अमन सिंह के साथ आदिवासी इलाकों में जमीनी संघर्ष और हर संभव विकास के काम भी किए हैं ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नक्सल विरोधी नीति ने सुरक्षा अभियान को निर्णायक रूप दिया और मई 2026 में अमित शाह ने बस्तर में नक्सल-मुक्ति की घोषणा की।नक्सलवाद समाप्त होने के बाद बस्तर को देश के सबसे पिछड़े और हिंसा प्रभावित क्षेत्र की पहचान से निकालकर विकास के नए मॉडल में बदलना एक ऐतिहासिक चुनौती है।सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वन उपज, पर्यटन, स्थानीय रोजगार और कौशल विकास-इन सभी क्षेत्रों में समानांतर काम हो रहा है।बस्तर की अर्थव्यवस्था में आदिवासी समुदाय की भागीदारी बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है।सरकार द्वारा वन उपज, कृषि, डेयरी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका वास्तविक आर्थिक लाभ गांव के परिवारों तक पहुंचे। केंद्र की ओर से भी बस्तर में सहकारी डेयरी, 'सेवा डेरा' , 'बस्तर ओलंपिक्स' और 'बस्तर पंडुम' जैसे कार्यक्रमों को विकास एवं सामाजिक भागीदारी से जोड़ा गया है। आदिवासी युवाओं के सामने पहली बार अलग भविष्य दिख रहा है ।

नक्सलवाद को सबसे बड़ी मानवीय कीमत युवा पीढ़ी ने चुकाई।युवाओं को आई टी आई , कौशल प्रशिक्षण, खेल, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण, वन उत्पाद आधारित उद्योग, छोटे कारोबार और सरकारी योजनाओं से जोड़ना होगा। आदिवासी समाज को केवल पीड़ित समुदाय के रूप में प्रस्तुत करना भी उचित नहीं है।आदिवासी समाज आज परिवर्तन चाहता है।वह अब अपने बच्चों के लिए सरकारी नौकरी ही नहीं, निजी क्षेत्र और उद्यमिता के अवसर भी चाहता है।और सबसे महत्वपूर्ण-वह भयमुक्त जीवन चाहता है।नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई का अंतिम लक्ष्य केवल बंदूकें शांत करना नहीं, बल्कि आदिवासी परिवारों के जीवन में स्थायी शांति, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि लाना होना चाहिए।यही वह कसौटी है जिस पर आने वाले वर्षों में मोदी सरकार, राज्य सरकारों और विपक्ष-सभी को परखा जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।



मा नव सभ्यता ने ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। मनुष्य को बौद्धिक रूप से संसार का समर्थ प्राणी माना जाता है। उसके पास सोचने, समझने, निर्णय लेने और परिस्थितियों को बदलने की अद्भुत क्षमता है। लेकिन मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता केवल उसकी बुद्धि और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद करुणा, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की भावना में निहित है। यदि मनुष्य के हृदय से करुणा समाप्त हो जाए और दूसरे के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशीलता समाप्त हो जाए तो ज्ञान और संपन्नता के बावजूद मानवता का वास्तविक अर्थ अधूरा रह जाता है।

मनुष्य अकेले अपने जीवन की प्रत्येक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकता। उसके जीवन की अनेक आवश्यकताएं प्रकृति और असंख्य जीवों के सहयोग से पूरी होती हैं। जल, वायु, अन्न, वनस्पतियां और पशु-पक्षी जीवन-व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए अन्य प्राणियों के प्रति दया और संरक्षण केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि मनुष्य का नैतिक दायित्व भी है। जिस प्रकृति और जीव-जगत से मनुष्य निरंतर प्राप्त करता है, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना उसके जीवन की जिम्मेदारी है। करुणा मनुष्य को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराती है।

मानव समाज में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे का सहयात्री है। किसी के जीवन में सुख है तो किसी के हिस्से में संघर्ष और अभाव भी हो सकता है। ऐसे में दूसरे के दुख को देखकर मुंह फेर लेना संवेदनशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। आर्थिक असमानता के बीच संपन्न व्यक्ति का दायित्व और बढ़ जाता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं जो सीमित साधनों में जीवनयापन करते हैं और उनकी छोटी-छोटी आवश्यकताएं भी संघर्ष का कारण बन जाती हैं। दूसरी ओर यदि संपन्न व्यक्ति अपनी समृद्धि का प्रदर्शन करते हुए अकेले अपने सुख में डूबा रहे तो सामाजिक दूरी और संवेतपूर्ण बढ़ सकता है।

करुणा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को वस्तु या धन देना नहीं है। किसी की परेशानी को समझना, उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना, संकट में उसके साथ खड़ा होना और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का हाथ बढ़ाना भी करुणा का ही रूप है। संवेदनशीलता मनुष्य को दूसरों की परिस्थितियों को समझने की दृष्टि देती है। जब हृदय में करुणा होती है तो रिश्तों में कठोरता कम होती है और परस्पर विश्वास बढ़ता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की मजबूती के पीछे ऐसी ही मानवीय भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आज के समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ तेज होती जा रही है। व्यक्ति सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा को जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानने लगा है। ऐसे वातावरण में करुणा और संवेदनशीलता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। हमें यह समझना होगा कि किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक स्थिति से नहीं मापी जा सकती। समाज कितना मानवीय है, कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसका व्यवहार कैसा है और संकट की घड़ी में लोग एक-दूसरे के कितने काम आते हैं, यह भी उसकी प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है।

मन की करुणा पारस्परिक संबंधों को मधुर बनाती है। संवेदनशील व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता, बल्कि अपने आसपास के लोगों के सुख-दुःख को भी समझता है। यही भावना परिवार से समाज और समाज से

राष्ट्र तक फैलती है। मानवता की आधारभूमि पारस्परिकता है और पारस्परिकता तभी मजबूत हो सकती है जब उसमें प्रेम, सहयोग, सहानुभूति और विश्वास का समावेश हो। इसलिए करुणा को कमजोरी नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र की शक्ति के रूप में देखना चाहिए।

सार्थक और निर्दोष जीवन जीने की कला है धर्म धर्म मानव जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अवधारणा है, लेकिन समय के साथ धर्म की व्याख्याएं इतनी जटिल होती गई कि उसके मूल उद्देश्य को समझना कठिन हो गया। अलग-अलग परंपराओं और संप्रदायों ने धर्म को अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। इन व्याख्याओं में विविधता स्वाभाविक है, लेकिन धर्म के ऐसे मूल तत्व भी हैं जिन्हें सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी माना जा सकता है। सत्य, संयम, सदाचार, अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम और परोपकार जैसी प्रवृत्तियां किसी एक संप्रदाय की सीमाओं में बंधी नहीं हैं।

धर्म की सबसे व्यापक उपयोगिता चरित्र निर्माण में दिखाई देती है। यदि धर्म मनुष्य को अपने आचरण को शुद्ध करने,

गलत प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने और दूसरों के प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार करने की प्रेरणा देता है तो वह जीवन को सार्थक बनाने का माध्यम बन जाता है। केवल पूजा-पंडित, धार्मिक अनुष्ठान या बाहरी आडंबर धर्म का संपूर्ण स्वरूप नहीं हो सकते। धर्म का वास्तविक प्रभाव मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों में संयम, वाणी में मधुरता और कर्मों

में सदाचार दिखाई दे तो धर्म जीवन का हिस्सा बनता है। हर व्यक्ति परिवार और समाज का अंग है। इसलिए उसे ऐसा जीवन जीना चाहिए जिससे दूसरों को अनावश्यक कष्ट न पहुंचे। व्यक्ति के अधिकारों के साथ उसके सामाजिक दायित्व भी जुड़े होते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए समाज की व्यवस्था, शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है तो उसका आचरण सामाजिक जीवन के लिए बाधक बन जाता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति अपने आचरण में मर्यादा, जिम्मेदारी और नैतिकता को स्थान देता है तो वह स्वयं भी शांतिपूर्ण जीवन जीता है और दूसरों के लिए भी सुखद वातावरण बनाता है।

धर्म का रचनात्मक स्वरूप मनुष्य को भीतर से बदलने में सक्षम होता है। भय के कारण किया गया अच्छा व्यवहार परिस्थितियों के बदलते ही समाप्त हो सकता है, लेकिन विवेक और संस्कार से विकसित सदाचार लंबे समय तक कायम रहता है। इसलिए धर्म को केवल बाहरी अनुशासन के रूप में नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन के रूप में समझना आवश्यक है। जब व्यक्ति अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है, तब धर्म उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि धर्म की उन शिक्षाओं को प्रमुखता दी जाए जो मनुष्य को जोड़ती हैं, बांटती नहीं। करुणा, अहिंसा, सत्य, संयम, सेवा और परोपकार ऐसे मूल्य हैं जो किसी भी स्वस्थ समाज की नींव बन सकते हैं। धर्म यदि मनुष्य को अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार और अधिक सदाचारी बनाता है तो उसकी उपयोगिता स्वतः सिद्ध हो जाती है।

मानवता और धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। करुणा मनुष्य के हृदय को कोमल बनाती है और धर्म उसके आचरण को दिशा देता है। जब संवेदनशीलता के साथ सदाचार जुड़ता है तो जीवन में वास्तविक मानवीयता विकसित होती है। इसलिए धर्म की सच्ची सेवा यही है कि वह मनुष्य को निर्दोष, सार्थक और लोकहितकारी जीवन जीने की प्रेरणा दे। यही धर्म की व्यापकता है और यही मानवता को जीवित रखने का सबसे प्रभावी मार्ग भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

इन्सानियत को सहेजिए मेरी प्रार्थना कर जोड़ है



रामकिशोर नाविक ये जो ख्वाहिशों की लपोड़ है सचमुच में अंधा मोड़ है इन्सानियत को सहेजिए मेरी प्रार्थना कर जोड़ है उसे चैन क्या मिल पायेगा जिसे धन कमाने की होड़ है कभी सुख छुए कभी दुख हुए क्या अजब गजब गठजोड़ है जिसे दोस्ती ने टग लिया वही बंदा कितना हंसोड़ है जिन्हें पच नहीं पाया हूँ मैं उनके उदर में मरोड़ है कुछ नेकियाँ कर जाईये यही जिंदगी का निचोड़ है।

कज्यूर अपडेट

जियो ने उतारा 1499 रुपये का 4जी फोन 14 जीबी डेटा के साथ 6 महीने रिचार्ज फ्री

रिलायंस जियो ने 2जी फोन इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को 4जी नेटवर्क पर लाने के लिए 1,499 रुपये का नया जियोभारत 4जी फोन पेश किया है। कंपनी के 10वें स्थापना वर्ष के मौके पर पेश किए गए इस प्रस्ताव में फोन के साथ छह महीने का रिचार्ज भी मुफ्त दिया जा रहा है। इस दौरान उपभोक्ताओं को हर महीने 14 जीबी डेटा और असीमित एचडी आवाज कॉलिंग की सुविधा मिलेगी। यानी फोन खरीदने के बाद छह महीने तक अलग से रिचार्ज करने की जरूरत नहीं होगी।

रिलायंस समूह करीब पांच साल पहले अपनी सालाना बैठक में 2जी उपभोक्ताओं को 4जी स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य बता चुका है। कंपनी का कहना है कि नया प्रस्ताव इसी दिशा में उठाया गया कदम है। 1,499 रुपये की कीमत में फोन के साथ छह महीने का रिचार्ज मिलने से यह उन लोगों के लिए खास हो सकता है, जो अभी भी सामान्य 2जी फीचर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं और 4जी पर जाने के लिए ज्यादा खर्च नहीं करना चाहते।

कंपनी के मुताबिक, 2जी फोन इस्तेमाल करने वाले कई ग्राहक करीब 199 रुपये महीने का रिचार्ज कराते हैं। छह महीने में यह खर्च लगभग 1,200 रुपये होता है। नए प्रस्ताव में फोन और छह महीने का रिचार्ज

एक साथ 1,499 रुपये में दिया जा रहा है। इस हिसाब से रिचार्ज की अनुमानित कीमत घटाने पर फोन की प्रभावी लागत करीब 299 रुपये रह जाती है। हालांकि, उपभोक्ता को फोन खरीदते समय पूरे 1,499 रुपये ही चुकाने होंगे।

जियोभारत 4जी फोन में केवल कॉलिंग और डेटा

की सुविधा ही नहीं है। कंपनी के अनुसार, इसमें जियोटीवी के जरिये 500 से अधिक टीवी चैनल देखने का विकल्प मिलेगा। जियोहॉटस्टार के जरिए क्रिकेट, फिल्में और अन्य मनोरंजन सामग्री भी देखी जा सकेगी। इसके अलावा संगीत सुनने

और जियोपे के माध्यम से यूपीआई भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान: 1,499 रुपये की कीमत सुनने के साथ छह महीने के मुफ्त रिचार्ज का लाभ आकर्षक लग सकता है, लेकिन खरीदने से पहले ऑफर की शर्तें देखना जरूरी है। यह भी जांचना चाहिए कि 14 जीबी डेटा हर महीने अलग से मिलता है या किसी अन्य सीमा या नियम के साथ जुड़ा है। फोन की वारंटी, उपलब्ध मॉडल, मुफ्त रिचार्ज की सक्रियता और छह महीने की अवधि की शुरुआत कब से होगी, इसकी जानकारी भी खरीदारी के समय लेनी चाहिए।



अजब - गजब

पानी पर दौड़ा दो मंजिला घर, अमेरिका में अनोखा नजारा देखते रह गए लोग

अमेरिका के लुइसियाना राज्य में इन दिनों एक ऐसा नजारा चर्चा में है, जिसे देखकर पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यहां पानी पर एक दो मंजिला घर तैरता हुआ आगे बढ़ता दिखाई दिया। सामान्य तौर पर घर जमीन पर बने दिखाई देते हैं, लेकिन इस मामले में पूरा मकान पानी की सतह पर था और एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा रहा था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद लोगों का ध्यान इस अनोखे तरीके की ओर गया।

यह घटना लुइसियाना के 'कट ऑफ' इलाके की बताई जा रही है। स्थानीय निवासी ब्लू हॉवर्ड ने इस दृश्य को अपने कैमरे में रिकॉर्ड किया। वीडियो में भूरे और भूरे-सफेद रंग का एक बड़ा दो मंजिला मकान पानी के बीच धीरे-धीरे आगे बढ़ता नजर आता है। मकान को देखकर पहली नजर में ऐसा लगता है जैसे कोई बड़ी नाव पानी में चल रही हो, लेकिन करीब से देखने पर इसकी बनावट घर जैसी ही दिखाई देती है। वीडियो में मकान के बरामदे में एक व्यक्ति बैठा हुआ भी नजर आता है। घर पानी की सतह पर आगे बढ़ता रहता है और उसके आसपास कोई बड़ी नाव दिखाई नहीं देती। यही वजह है कि वीडियो देखने वाले लोगों के लिए यह दृश्य खासा दिलचस्प बन गया। हालांकि, यह किसी सामान्य घर के अपने आप पानी पर तैरने की घटना नहीं थी, बल्कि मकान को पानी के

रास्ते एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की प्रक्रिया थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दो मंजिला मकान को पानी पर ले जाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसे रिमोट कंट्रोल के जरिए नियंत्रित किया जा रहा था। यानी मकान को पानी में तैराने के साथ उसकी दिशा को भी नियंत्रित किया जा रहा था। वीडियो में घर का धीरे-धीरे आगे बढ़ना

इसी व्यवस्था का हिस्सा दिखाई देता है। इस तरह किसी बड़े मकान को पानी के रास्ते स्थानांतरित करना अपने आप में असामान्य जरूर है, लेकिन फ्लोटिंग संरचनाओं का विचार नया नहीं है। दुनिया के कई हिस्सों में पानी पर तैरने वाले घर, रेस्तरां और अन्य संरचनाएं बनाई जाती हैं। इनके लिए ऐसी डिजाइन और तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे पूरी संरचना पानी की सतह पर स्थिर रह सके।

नीचे का हिस्सा तैरने वाली संरचना: पानी पर बने या तैरने वाले घरों का इस्तेमाल खासतौर पर उन क्षेत्रों में चर्चा में आया है, जहां बाढ़ या जलस्तर बढ़ने की समस्या रहती है। सामान्य घरों की तरह इन्हें पूरी तरह जमीन से स्थायी रूप से जोड़ने के बजाय ऐसी संरचना पर बनाया जाता है, जो पानी बढ़ने पर ऊपर उठ सके। ऐसे घरों में नीचे का हिस्सा तैरने वाली संरचना के रूप में काम करता है। घर का वजन, पानी में उसका संतुलन और संरचना की मजबूती पहले से तय की जाती है। हालांकि, हर दो मंजिला मकान को सामान्य रूप से पानी में उतारकर तैराया नहीं जा सकता।





न्यूज विंडो

पितरों के तर्पण से उन्नति के मार्ग होते हैं प्रशस्त : केशव गुरुजी

गंजबासौदा। वार्ड क्रमांक 17 एवं 18 में पितृ पक्ष के अवसर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सप्तम दिवस पूज्य केशव गुरुजी ने श्राद्ध एवं तर्पण का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी सामर्थ्य के अनुसार विधिपूर्वक श्रद्धा से तर्पण करता है तो पितरों का स्मरण और उनका ऋण चुकाने का अवसर मिलता है। आधुनिक समय में लोग गोत्र ही नहीं, बल्कि अपने दादा-परदादा के नाम भी भूलते जा रहे हैं। पितृ पक्ष में तर्पण की परंपरा नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के नाम और उनके प्रति श्रद्धा से जोड़ने का माध्यम है। धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक मनुष्य देव, ऋषि और पितृ ऋण से बंधा है। पितरों के निमित्त श्रद्धापूर्वक तर्पण करने से पितृ ऋण से मुक्ति के साथ उन्नति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। उन्होंने तर्पण की प्रक्रिया को समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार सूर्य की गर्मी से जल सूक्ष्म रूप लेकर बादल बनता है, उसी प्रकार नाम और गोत्र के साथ अर्पित जल भी सूक्ष्म रूप से पितरों तक पहुंचता है।

भागवत कथा में उमड़ी आस्था, भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में भाव विभोर हुए श्रद्धालु

गंजबासौदा। राजेंद्र नगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भक्तिमय वातावरण में विधिवत समापन हुआ। श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास शंभू कृष्णानंद ने श्रद्धालुओं को सात दिनों तक भागवत कथा का रसपान कराया। कथा के अंतिम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और भगवान की भक्ति में भाव-विभोर होकर कथा का श्रवण किया। कथा व्यास ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाने वाला है। राजा परीक्षित ने भागवत कथा का श्रवण कर मुक्ति प्राप्त की थी। भागवत कथा मनुष्य को सत्य, धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कथा श्रवण से मन को शांति मिलती है। कथा के मुख्य यजमान गुड्डू निंबालकर एवं शिवम शर्मा रहे। इस अवसर पर विशाल दास वैष्णव, महेंद्र शर्मा, छोटेलाल कुर्मी, गजेंद्र सिंह राजपूत, रामानुज शास्त्री उपस्थित रहे।

सेवा सेतु शिविर में 790 आवेदनों का मौके पर निपटारा, दो को मिली स्कूटी



नर्मदापुरम। जनपद पंचायत परिसर में सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार’ का जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें नागरिकों की समस्याओं और शासकीय योजनाओं से जुड़े 790 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के निराकरण की जानकारी निर्धारित समय-सीमा में देने की बात अधिकारियों ने कही। शिविर का शुभारंभ विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पौयुष शर्मा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा और एसपी साई कृष्ण एस. थोटा ने किया। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत आयशा पासी और राम किशोर बोरासी को स्कूटी वितरित की गई। हितग्राहियों ने योजना के लिए शासन का आभार जताया। शिविर में राजस्व विभाग से सबसे अधिक 330 आवेदन प्राप्त हुए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 189, सामाजिक न्याय के 89, स्कूल शिक्षा के 82 आवेदन मिले।

अफसरों ने सुनी समस्याएं, मौके पर ही 50 हितग्राहियों को दिया योजनाओं का लाभ



गंजबासौदा। शासन के निर्देशानुसार सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार एवं मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत रविवार को मानस भवन, नगरपालिका परिसर के पास शिविर आयोजित किया गया इसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन दिए। मौके पर ही समस्याओं के निराकरण की कार्यवाई की गई। शिविर में आए 806 आवेदन पत्रों में से 600 का मौके पर ही निराकरण किया। विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत करीब 50 हितग्राहियों को मंच से हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में बासौदा विधायक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगरपालिका अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, अनुविभागीय अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

दोपहर मेट्रो

इंदौर-भोपाल में बसें दौड़ीं, लेकिन ग्वालियर में डिपो-चार्जिंग स्टेशन अधूरे

एग्रीमेंट के जाल में उलझी पीएम ई-बस, करना होगा तीन माह इंतजार

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

भोपाल और इंदौर में ई-बसों की शुरुआत हो चुकी है। लोगों को इस सुविधा का फायदा मिलने लगा है, लेकिन ग्वालियर में अभी इस सुविधा के लिए करीब 3 माह तक इंतजार करना पड़ सकता है। चूंकि पीएम ई-बस योजना ग्वालियर में अब भी अटकी हुई है। 100 ई-बसों के संचालन के लिए परिवहन विभाग की नई कंपनी के साथ एग्रीमेंट तक फाइनल नहीं हुआ है। वहीं रमौआ और आइएसबीटी में डिपो व चार्जिंग स्टेशन का काम भी पूरा नहीं हुआ। ऐसे में बसों के आने और संचालन शुरू होने में अभी दो से तीन महीने और लग सकते हैं। खास यह है कि इंदौर, भोपाल और जबलपुर में ई-बसें सड़कों पर दौड़ने लगी हैं, लेकिन ग्वालियर में योजना की तैयारी अभी निर्माण और कागजी प्रक्रिया में उलझी है। जिला प्रशासन और यातायात पुलिस ने बसों के लिए 10 रूट तय किए थे। अफसरों ने बस में बैठकर इनका निरीक्षण भी कर लिया। अतिक्रमण हटाने तथा सड़कों के गड्ढे भरने के निर्देश दिए। कुछ समय तक तो इस पर कार्यवाई चलती रही, लेकिन मामला फिर से ठंडे बस्ते में चला गया। अब हालात जस के तस हैं।



काम की धीमी गति से अटक रहा मामला

रमौआ और आइएसबीटी पर डिपो व चार्जिंग स्टेशन का काम अंतिम चरण में बताया जा रहा है। 77 करोड़ रुपये में आइएसबीटी बनाने वाली प्रेमैटिक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को इन संसाधनों का काम भी सौंपा गया है। काम की धीमी गति के कारण ई-बस संचालन की तैयारी प्रभावित हो रही है। शहर की पुरानी सिटी बसें बंद हो चुकी हैं। कई लंबे रूटों पर सार्वजनिक परिवहन का विकल्प नहीं है। ऐसे में दफतर, स्कूल-कॉलेज, बाजार और रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों को

ऑटो, ई-रिक्शा या निजी वाहन का सहारा लेना पड़ रहा है। ई-बसें चलने पर इन यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन इसके लिए अभी इंतजार करना होगा। पीएम ई-बस योजना के नोडल अधिकारी मुनीश सिकरवार ने बताया कि परिवहन विभाग की नई कंपनी के साथ एग्रीमेंट होना है। रमौआ व आइएसबीटी का काम अंतिम चरण में है। बसें आने में 2-3 महीने लगा सकते हैं। अतिक्रमण और सड़कों के गड्ढे सहित अन्य समस्याएं दूर कर रहे हैं।

नर्मदापुरम में लकड़ी से बने घर में लगी आग, सब खाक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम के रामगंज में तड़के चार बजे लकड़ी-कबेलू के मकान में लगी आग, दो दमकल वाहनों ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू, मकान का बड़ा हिस्सा जला, आग की वजह अब तक अज्ञात नर्मदापुरम। शहर के रामगंज स्थित जाटव मोहल्ले में सोमवार तड़के चार बजे सुने कच्चे मकान में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। लकड़ी और कबेलू से बने मकान से ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोग बाहर निकल आए। दमकल के पहुंचने से पहले पुलिसकर्मियों ने बाल्टियां उठाई और आग बुझाने में जुट गए। एएसआई सुरेंद्र मालवीय और आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ पानी डालना शुरू किया। कुछ देर बाद दो दमकल वाहन पहुंचे और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से मकान का बड़ा हिस्सा जल गया।



हालांकि मकान खाली होने के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसके आसपास दो बुजुर्ग महिलाएं रहती हैं।

पुलिस के मुताबिक मकान राधेलाल जाटव का है। कुछ महीने पहले उसके खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ था। फिलहाल मकान में कोई नहीं रह रहा था। सिटी कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि आग लगने की सूचना तड़के करीब चार बजे मिली थी। आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

युवा मोर्चा द्वारा सावरकर मंडल के लिए बनाए गए प्रभारी पर उठ रहे सवाल, जिलाध्यक्ष बोले- हमें पता नहीं था

आठ गंभीर मामलों के आरोपी को भाजयुमो ने टी प्रभारी की कमान

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

टीकमगढ़ जिले में भारतीय जनता पार्टी और उसकी युवा इकाई भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत अनेक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इन्हीं कार्यक्रमों में से एक नाम सेवा ज्योति अभियान का है। अब इसी कार्यक्रम के लिए बनाए गए प्रभारियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। युवा मोर्चा द्वारा सावरकर मंडल के लिए जो प्रभारी बनाए गए हैं वह आठ गंभीर मामलों में आरोपी हैं।



आरोपी को बना दिया पीएम से जुड़े कार्यक्रम का प्रभारी!

युवा मोर्चा ने राहुल ठाकुर को प्रभारी बना दिया जिसके खिलाफ विभिन्न थानों में 8 मामले दर्ज हैं तो इतने ही बार उन पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाई की जा चुकी है। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने सेवा ज्योति अभियान के लिए बनाए गए प्रभारियों की सूची अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर सांझा की है। इसमें 16 मंडलों में दो-दो प्रभारी बनाए गए हैं। सावरकर मंडल के लिए मोर्चा ने सुभशेषा के साथ ही राहुल ठाकुर लिथोरा को प्रभारी बनाया गया है।

आसपास

मैहर गौरव दिवस... एक साथ 11 मिनट तक थिरकते रहे

3430 छात्र-छात्राओं के कदम, कथक में रिकॉर्ड

मैहर। दोपहर मेट्रो

मां शारदा की नगरी मैहर ने अपने स्थापना दिवस पर आयोजित गौरव दिवस में सोमवार को इतिहास रच दिया। 3430 विद्यार्थियों का एक साथ कथक प्रदर्शन मैहर के गौरव दिवस की सबसे बड़ी उपलब्धि बनकर सामने आया। फुटबॉल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में 3430 छात्र-छात्राओं ने एक साथ 11 मिनट तक कथक नृत्य की मनमोहक सामूहिक प्रस्तुति देकर अपना नाम एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया। हजारों विद्यार्थियों की एक साथ ताल, लय और भाव से सजी प्रस्तुति ने पूरे मैदान को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को मैहर की सांस्कृतिक पहचान और मातृ शक्ति को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास



विभाग की राज्य मंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सामूहिक कथक प्रस्तुति पूरी होने के बाद एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और एसपी अवधेश प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने इस उपलब्धि को मैहर के लिए गौरव का क्षण बता कहा कि मां शारदा की नगरी ने गौरव दिवस पर सांस्कृतिक क्षेत्र में नया इतिहास बनाया है। सामूहिक कथक में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी ने मैहर की कला और संस्कृति के प्रति नई पीढ़ी की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।

पुलिस ने जब्त किया डंपर

रॉयल्टी चोरी...रेत को काली बताकर गुमराह करने का प्रयास



धामनोद (धार)। दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी से अवैध रेत उत्खनन और बिना रॉयल्टी परिवहन की शिकायतों के बीच धामनोद पुलिस ने रविवार शाम एक डंपर को पकड़कर कार्यवाई की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने डंपर क्रमांक एमपी 09 जीएच 9737 को रोकता और जांच के लिए थाने लाया। बताया गया कि वाहन धरमपुरी क्षेत्र से रेत लेकर धामनोद की ओर आया था। पुलिस ने जांच शुरू की तो डंपर चालक ने बहानेबाजी शुरू कर दी। पहले उसने गुमराह करने का प्रयास किया। डंपर चालक ने कहा कि वाहन पर भरी रेत काली है। यह नर्मदा नदी से नहीं निकाली गई है। पुलिस ने जब रेत की जांच की तो डंपर में नीचे ओर ओर करीब चार इंच बालू-रेत भरी होने की बात सामने आई। पुलिस के अनुसार वाहन के पास रेत परिवहन की वैध रॉयल्टी भी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने डंपर को जब्त कर मामले की सूचना माइनिंग एवं राजस्व विभाग को दी है। अब संबंधित विभागों द्वारा रेत के स्रोत और परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जाएगी।

रीवा: अस्पताल की इमरजेंसी में हुई घटना, मरीजों में अफरातफरी, पुलिस ने संभाला मामला

संजय गांधी अस्पताल में वीडियो बनाने पर विवाद, अटेंडर को बंधक बनाकर की मारपीट

रीवा। दोपहर मेट्रो

अस्पताल में वीडियो बनाने को लेकर शुरू हुए विवाद में एक अटेंडर को स्टाफ ने कमरे में बंद कर लिया और जमकर मारपीट की। इस दौरान बार्ड में मौजूद अन्य लोग भी सुरक्षाकर्मियों का शिकार हुए और उनके साथ भी मारपीट हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बंधक बने अटेंडर को मुक्त कराया और उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया है।

घटना संजय गांधी अस्पताल के आकस्मिक चिकित्सा विभाग की बताई जा रही है। यहां पर एक व्यक्ति मरीज का उपचार करने के लिए आया था जो बार्ड के अंदर वीडियो बना रहा था। उसे वीडियो बनाते बार्ड में मौजूद डॉक्टरों ने देख लिया। उन्होंने युवक को पकड़ लिया और कमरे के अंदर लेकर गए। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों सहित स्टाफ ने मिलकर युवक के साथ जमकर



मारपीट की और उसे कमरे में ही बंधक बनाए रखा। घटना के समय बार्ड में मौजूद सभी अटेंडरों को बाहर खदेड़ दिया जिसे भर्ती मरीज भी दहशत में आ गए। सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। कमरे में बंधक बनेगा अटेंडर को मुक्त कराया और उसे उपचार के लिए बिडिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना से काफी देर तक बाद में हंगामे की स्थिति बनी रही। हालांकि पुलिस के आने के बाद मामला संभला।

अन्य मरीज और अटेंडरों ने भी लगाया मारपीट का आरोप

घटना के बाद बार्ड में मजदूर अन्य मरीजों व अटेंडरों ने भी मारपीट का आरोप लगाया है। आलमगंज से सुरेश द्विवेदी को मारपीट में घायल होने के बाद परिजन उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल आए थे। घटना के समय वे बार्ड में ही मौजूद थे जिस पर उनके साथ भी बाद में मारपीट की गई है।

यह पुराने मामले, शिकायत करने वाले मुझसे बड़े अपराधी: राहुल

इस मामले में राहुल ठाकुर का कहना है कि यह सब पुराने मामले हैं। जो मेरी शिकायत कर रहे हैं, उनके ऊपर तो मुझसे भी ज्यादा 10-12 मामले दर्ज हैं। उन्होंने मुझ पर कांपेसी होने का टप्पा लगा दिया था। विदित हो कि राहुल ठाकुर की कई बार सोशल मीडिया पर भी हथियारों के साथ फोटो शेयर की गई है। वहीं युवा मोर्चा ने इस सूची को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, भाजपा

के सागर संभाग प्रभारी गौरव रणदिवे, भाजयुमो मध्य प्रदेश के साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष सररोज राजपूत को टैग की है। यह केवल एक बैठक के प्रभारी: भारतीय जनता युवा मोर्चा टीकमगढ़ जिलाध्यक्ष संकल्प जैन ने बताया कि यह किसी मंडल के प्रभारी की सूची नहीं है। सेवा ज्योति अभियान के लिए आयोजित एक बैठक के लिए प्रभारी बनाए गए हैं। मुझे यह जानकारी नहीं थी, इन्हें छोड़ दिया जाएगा।

न्यूज विंडो

14 केंद्रों पर एनएमएस परीक्षा में 3474 विद्यार्थी शामिल



नरसिंहपुर। भारत सरकार की राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों की चयन परीक्षा जिले के 14 केंद्रों पर आयोजित हुई। परीक्षा के लिए पंजीकृत 3694 परीक्षार्थियों में से 3474 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जो 94.04 प्रतिशत उपस्थिति रही, जबकि 220 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में सभी केंद्रों पर ओएमआर शीट के माध्यम से परीक्षा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, केंद्राध्यक्ष, बीएसी, जनशिक्षक एवं शिक्षकों ने परीक्षा व्यवस्था में सक्रिय सहयोग किया तथा परीक्षार्थियों को अनुक्रमांक के अनुसार बैठक व्यवस्था में मार्गदर्शन दिया। समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि एनएमएस का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा 8वीं के बाद पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है।

एनसीसी कैडेट ने किया नरसिंह तालाब की माटी का पूजन अर्चन



नरसिंहपुर। एमपी बटालियन एनसीसी जबलपुर के कमान अधिकारी कर्नल नितिन शर्मा के निदेशानुसार एनसीसी संकल्प वृक्ष माटी एकत्रीकरण कार्यक्रम का आयोजन नरसिंहपुर जिले के एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर, पीएम श्री एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर एवं गवर्नमेंट एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वाधान में नरसिंहपुर के पवित्र एवं ऐतिहासिक नरसिंह मंदिर स्थित प्रांगण में नरसिंह तालाब की माटी का पूजन अर्चन कर एकत्रीकरण किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा मध्य प्रदेश के 55 जिलों की पवित्र माटी के माध्यम से भोपाल शौर्य स्मारक में 55 पेड़ों का रोपण आगामी समय में किया जाएगा। एनसीसी के उक्त कार्यक्रम में जिला एवं पुलिस प्रशासन का प्रतिनिधित्व करते हुए एसडीएम नरसिंहपुर महेंद्र पटेल, डीएसपी संधीर चौधरी, एम आई एम टी के चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी, प्राचार्य एक्सीलेंस कॉलेज नरसिंहपुर डॉ. आर., बी. सिंह, प्राचार्य एक्सीलेंस स्कूल नरसिंहपुर राजीव किशोर श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ पत्रकार नीलेश जाट सहित गणमान्य जन एवं एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति में किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अनाथ आश्रम पहुंचे जालम सिंह



नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक एवं समाजसेवी श्रीमती सुमनलता पटेल ने रेवा नगर स्थित रामराजा अनाथ आश्रम पहुंचकर वहां निवासरत बच्चों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों का कुशलक्षेम जाना और उनके साथ समय बिताकर उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली आश्रम पहुंचने पर अतिथियों ने बच्चों से उनकी पढ़ाई, दैनिक दिनचर्या और अन्य आवश्यकताओं को लेकर बातचीत की। उन्होंने बच्चों के साथ कुछ समय बिताया तथा उनके बीच अपनत्व और सहयोग की भावना के साथ संवाद किया। इस अवसर पर बच्चों को आवश्यक सामग्री भी भेंट की गई पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहयोग और संवेदना पहुंचाना है। हमारा संकल्प है कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहयोग और अपनत्व पहुंचे। सेवा, समर्पण और संवेदना के इसी भाव के साथ जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रहेंगे उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग के बच्चों की आवश्यकताओं को समझना और उनके साथ समय बिताना सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।

ऑपरेशन थंडर: चार विभागों ने मिलकर संयुक्त रणनीति बनाई



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में वन्यजीव और वानिकी अपराधों पर रोक लगाने के लिए रविवार को इको सेंटर मटकुली में अंतर-विभागीय संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई। इंटरपोल के वैश्विक अभियान 'ऑपरेशन थंडर-2026' के तहत हुई कार्यशाला में पुलिस, वन और विद्युत विभाग के अधिकारियों ने आपसी समन्वय से कार्रवाई की रणनीति पर चर्चा की। ऑपरेशन थंडर-2026 के तहत अभियान 14 सितंबर से 14

अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। एसटीआर के जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागड़े ने बताया कि पचमढ़ी और पिपरिया उपवनमंडल के अलावा तामिया और जुनारदेव क्षेत्र में वन्यजीव अपराध की दृष्टि से संवेदनशील गांवों और वन क्षेत्रों की पहचान करने पर जोर दिया गया। अवैध शिकार, वन्यजीव उत्पादों के अवैध कारोबार और उनके परिवहन पर रोक लगाने के साथ स्थानीय शिकारी समूहों और अपराधी नेटवर्क की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने पर भी चर्चा हुई।

युवाओं की प्रेरणा बन रहा रानी दुर्गावती का साहस और शौर्य

रानी दुर्गावती जयंती आज: चंदेल वंश के शासक कीरत राव के यहां उत्तरप्रदेश के बांदा में सन् 1524 में हुआ था जन्म

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

आज रानी दुर्गावती जयंती मनाई जाएगी हर साल 5 अक्टूबर रानी दुर्गावती जयंती मनाई जाती है। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बांदा में 5 अक्टूबर 1524 को दुर्गावती का जन्म हुआ था इतिहासकार बताते हैं कि उनके पिता कीरत राव चंदेल वंश के शासक थे दुर्गावती को बचपन से ही तीरंदाजी, तलवारबाजी और घुड़सवारी का शौक था पति दलपत शाह के निधन के बाद रानी ने अपने बेटे को गद्दी पर बैठाया और गोंडवाना राज्य की बागडोर अपने हाथों में ले ली उन्होंने कई मदिरों, धर्मशालाओं और तालाबों का



निर्माण कराया। 1564 में आसफ खान ने हमला बोला। बुद्ध में रानी को शरीर में कई तीर लगे और वो गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें लगने लगा कि अब जिंदा रहना मुश्किल है तब उन्होंने अपने एक सैनिक से कहा कि वो उन्हें मार दे, लेकिन सैनिक ने ऐसा करने से मना कर दिया। तब रानी ने खुद ही अपनी तलवार सीने में मार ली और शहीद हो गईं। इस तरह रानी दुर्गावती कासंपूर्ण जीवन जहां चुनौतियों, साहस-शौर्य, देशभक्ति की भावना से भरा रहा है यही कारण है कि रानी दुर्गावती से आज के युवाप्रेरणा लेने की बात कह रहे हैं।



राज्य की महारानी के रूप में उन्होंने उत्तम प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया। जिससे वे युवाओं के लिए प्रेरणा बनी उनके साहस को हमारा नमन।
- दीपक नामदेव



रानी का विपरीत परिस्थितियों और विशाल मुगल सेना का डटकर मुकाबला करना हमें सिखाता है कि चुनौतियों के सामने पीछे नहीं हटना चाहिए।
- कृतांजय सोनी



रानी ने कभी आक्रांताओं की अधीनता स्वीकार नहीं कीख अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि रखा जो हमें यह सिखाता है कभी सिर नहीं झुकाना चाहिए।
- अमित नामदेव



देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने का उनका संदेश हर पीढ़ी के लिए एक आदर्श है। देश भक्ति हमारा पहला धर्म है।
- शुभम जैन

उमंग सिंधार का ट्वीट - विधायक की मंत्री नहीं सुन रहीं, अधिकारी विधायक की नहीं सुन रहे

विधायक बनाम मंत्री : भाजपा में अपनों की जंग, गरमाई सियासत

धार। दोपहर मेट्रो

धामनोद नगर परिषद की कार्यप्रणाली और स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर धरमपुरी से भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर के अपनी ही पार्टी की केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद क्षेत्र की राजनीति गरमा गई है। विधायक ने 9 अक्टूबर से सावित्री ठाकुर के निवास के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान किया है। अब इस टकराव के बीच मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और गंधवानी विधायक उमंग सिंधार के ट्वीट ने राजनीतिक बहस को और हवा दे दी है। मामला अब केवल धामनोद नगर परिषद की कार्यप्रणाली या सीएमओ को लेकर विधायक की नाजगोती तक सीमित नहीं दिखाई दे रहा। भाजपा के दो निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद सार्वजनिक मंच पर आ चुके हैं और विपक्ष को सरकार पर सवाल उठाने का अवसर मिल गया है।

सीएमओ को लेकर विवाद



विधायक कालू सिंह ठाकुर का मुख्य आरोप धामनोद नगर परिषद की सीएमओ माया मंडलोई की कार्यप्रणाली को लेकर है। विधायक का कहना है कि सीएमओ को लेकर पूर्व में भी शिकायतें की

गईं, प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर मामला उठाया गया और कार्रवाई के प्रयास हुए, लेकिन स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। विधायक के अनुसार धामनोद में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनता की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। उनका दावा तमाम अधिकारियों के समक्ष भी मुद्दा उठाया, लेकिन समाधान नहीं होने के बाद अब उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। कालू सिंह ठाकुर का तर्क है कि जब प्रशासनिक स्तर पर उनकी शिकायतों का समाधान नहीं हुआ तो वे जनता के साथ खड़े होकर आंदोलन करेंगे। दूसरी ओर सावित्री ठाकुर ने विधायक के आरोपों से अलग अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि सीएमओ न्यायालय के आदेश के आधार पर काम कर रही हैं।

सिंधार की एंट्री से बदला राजनीतिक समीकरण

धामनोद के घटनाक्रम पर नेता प्रतिपक्ष एवं गंधवानी विधायक उमंग सिंधार ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पोस्ट में सिंधार ने सवाल उठाया कि 'मध्यप्रदेश में आखिर चल क्या रहा है?' उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर अपनी ही पार्टी की केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के घर के बाहर भूख हड़ताल पर बैठने की बात कर रहे हैं। विधायक का आरोप है कि अधिकारी उनकी सुन नहीं

रहे, शिकायतों के बावजूद सीएमओ माया मंडलोई पर कार्रवाई नहीं हो रही और विकास कार्य ठप पड़े हैं। सिंधार ने तंज कसते हुए कहा कि विधायक की मंत्री नहीं सुन रही, अधिकारी विधायक की नहीं सुन रहे और सरकार के भीतर ही कोई किसी की सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने इस घटनाक्रम को भाजपा की 'अंदरूनी खींचतान और वर्चस्व की राजनीति' से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर भी निशाना साधा।

कागजों पर संवरती तकदीर सड़कों पर बिखरती हकीकत

औबेदुल्लागंज में सेवा संकल्प शिविर संपन्न, पर बुनियादी विकास से 'दूरी' बरकरार

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज स्थित मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय के सभागार में रविवार को शासन की महत्वाकांक्षी जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 'सेवा संकल्प कैम्प' का आयोजन किया गया। केंद्र व प्रदेश सरकार की गरीब कल्याण नीतियों की सराहना करते हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 और पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। जानकारी के अनुसार, सूची के क्रमांक 6 (जयकुमार) एवं क्रमांक 14 (अनीता बाई) को प्रथम किस्त की 1 लाख रुपये की राशि पूर्व में ही जारी की जा चुकी है, जबकि उनकी दूसरी किस्त जारी होना शेष है। वहीं शेष सभी नवीन आवेदकों को विधिवत स्वीकृति पत्र सौंपे गए। इसके अतिरिक्त पीएम स्वनिधि योजना के तहत भी 30 पात्र छोटे कारोबारियों और पथ-विक्रेताओं के ऋण आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू की गई।



विकास ऐसा कि नजर न लग जाए, इसलिए मीडिया से भी दूरी!
एक तरफ जहां मंच से योजनाओं की सीगाते बांटी जा रही थी, वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम में सत्ता पक्ष और प्रशासन की 'मीडिया से दूरी' पूरे नगर में चर्चा का विषय बनी रही। शाब्द जिम्मेदारों को डर था कि अगर कैमरे चालू हो गए, तो चमकते प्रमाण पत्रों के पीछे राजधानी भोपाल से महज 35 किमी दूर स्थित इस बदहाल नगर की धूल-धूसरित हकीकत न कैद हो जाए। कहने को तो भोजपुर विधानसभा में बीते 18 वर्षों से सत्ताधारी दल का अभेद्य किला है, लेकिन धरातल पर विकास की रफ्तार इतनी 'गुप्त' है कि खुद स्थानीय नागरिकों को भी दूरबीन लगाकर ढूंढनी पड़ती है। अतिक्रमण विरोधी मुहिम के नाम पर पटरी व्यवसायियों की रोजी-रोटी छीनकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के कागजी दावे जरूर किए गए, पर जमीनी स्तर पर सड़कों के गड्ढे आज भी राहगीरों को कमर दर्द की 'मुपत सीगात' बांट रहे हैं।

मेट्रो एंकर

सेवा सेतु अभियान: 107 लोगों को 1 करोड़ 7 लाख रुपए का हुआ हस्तांतरण

हितग्राहियों के खातों में पहुंची पीएम आवास की पहली किस्त

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को नगर परिषद तेंदूखेड़ा में सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत 107 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किस्त एक करोड़ 7 लाख रुपए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सह लोधी के द्वारा क्लिक करके डाले गए, इसके अलावा उपस्थित हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत चार हितग्राहियों को प्रमाण पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम के सह प्रभारी गोविंद यादव ने बताया जनता एवं शासन के बीच सेवा सेतु अभियान एक महत्वपूर्ण कड़ी है इस सेतु के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजना जनता



तक पहुंचाना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन ने कहा कि अभी 107 लोगों को प्रथम किस्त प्रधानमंत्री आवास की डाली गई है बहुत जल्द 400 हितग्राहियों के नाम स्वीकृति मिलते ही किस्त डाली जाएगी।

राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास 2.0 के तहत 107 हितग्राहियों के खाते में 1 लाख रुपए के मान से 1 करोड़ 07 लाख रुपए की प्रथम किस्त डाली गई है। आप अपना मकान बनवाइए। पूरे प्रधानमंत्री

आवास में ढाई लाख रुपए मिलते हैं, जिसमें आप अच्छा मकान बना सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि हर गरीब को पक्का मकान देंगे। कांग्रेस ने 60 साल राज किया, किसी गरीब को पक्का मकान नहीं

दिया। एक ग्राम पंचायत में एक कुटीर आती थी, वो भी सरपंच अपने खास आदमी को दे देता था। जिस पंचायत में डेढ़ कुटीर मिल जाती थी, वहां का सरपंच सीना तान कर घूमता था कि देखो हमारी नेतागिरी। लेकिन मोदी जी को किसी ने कुटीर मांगने नहीं बुलाया, फिर भी उन्होंने कहा हर गरीब को पक्का मकान देंगे क्योंकि उन्होंने गरीबी देखी है, भोगी है। पहले वाले प्रधानमंत्री सोने की चम्मच लेकर पैदा हुए, उनके कपड़े विदेश में धुलते थे। भाजपा सरकार ने गरीबों के लिए खजाने खोले हैं। कांग्रेस के समय खजाने नेताओं के लिए खुलते थे। लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत घर में बेंटी पैदा होगी तो सरकार उसे लक्ष्मी बना देती है।



आरोपी पकड़ से बाहर, प्रकरण दर्ज

फोरलेन पर पुलिस ने घेरा, कार से मिली 25 पेटी अवैध शराब

नर्मदापुरम।इटारसी। दोपहर मेट्रो

अवैध शराब के परिवहन की सूचना पर इटारसी सिटी पुलिस ने सोमवार सुबह सोमलवाड़ा खुर्द फोरलेन के पास कार्रवाई कर एक कार से 25 पेटी अवैध शराब जब्त की। पुलिस की कार्रवाई के दौरान कार में सवार आरोपित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी

तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, एसआई सुरेश चौहान को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कार में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सोमलवाड़ा खुर्द फोरलेन के पास निगरानी शुरू की। संदिग्ध कार दिखाई देने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। कार के अंदर शराब की 25 पेटियां मिलीं।

18 साल की खिलाड़ी ने दिखाया चैंपियन बनने का जज्बा

एशियाई रजत से अनाहत का बड़ा संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्काश की युवा सनसनी अनाहत सिंह एशियाई खेलों में इतिहास रचने के बाद अब अगले बड़े लक्ष्य की तैयारी में जुट गई हैं। 18 वर्षीय अनाहत भले ही स्वर्ण पदक से चूक गई, लेकिन व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनकर उन्होंने नया इतिहास लिख दिया। मलेशिया की दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ फाइनल में मिली हार ने उन्हें जरूर निराश किया, लेकिन इसी मुकाबले ने उनके भीतर बड़े सपने को और मजबूत कर दिया है।

अनाहत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरी थीं। उन्हें पहले से पता था कि दुनिया और एशिया की मजबूत खिलाड़ियों के बीच यह लक्ष्य आसान नहीं होगा। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। खिलाड़ी मुकाबले में हार के कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अनाहत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि वह एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्काश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने साबित किया कि भारतीय स्काश अब दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

फाइनल की हार ने दिया नया लक्ष्य

खिताबी मुकाबला गंवाने के बाद अनाहत को खुद को संभालने में कुछ दिन लगे। उनका कहना है कि इतने बड़े मुकाबले में खिताब के बेहद करीब पहुंचकर हारना आसान नहीं था। हालांकि अब वह इस हार को निराशा के बजाय सीख के रूप में देख रही हैं। अनाहत के सामने अब सबसे बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक है। एशियाई खेलों का स्वर्ण उन्हें ओलंपिक में सीधे जगह दिला सकता था, लेकिन यह मौका हाथ से निकलने के बाद उन्होंने रैंकिंग के जरिए प्रवेश हासिल करने की रणनीति बनाई है। अनाहत अब पेशेवर स्काश संघ की विश्व रैंकिंग में ऊपर चढ़ने पर अपना पूरा ध्यान लगाएंगी। उनका लक्ष्य अगले 18 महीनों में अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना और लगातार बेहतर प्रदर्शन करना है। उनका मानना है कि एशियाई खेलों में शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन से उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है। फाइनल में हार ने उन्हें यह भी एहसास कराया कि विश्व स्तर पर शीर्ष पर पहुंचने के लिए किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है।



अभय ने भी जीता रजत, टीम को कांस्य

एशियाई खेलों में भारतीय स्काश का प्रदर्शन कुल मिलाकर शानदार रहा। अनाहत सिंह के साथ अभय सिंह ने भी व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। वहीं भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने कांस्य पदक अपने नाम किए। भारतीय महिला स्काश टीम की प्रशिक्षक सुरभि मिश्रा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया। हालांकि उन्हें टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक से चूकने का मलाल भी रहा। उनका मानना है कि भारतीय टीम जीत से कुछ ही अंक दूर रह गई और थोड़े बेहतर प्रदर्शन के साथ फाइनल में जगह बनाई जा सकती थी।

तन्वी को भरोसा, अगली बार आएगा स्वर्ण

कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम की सदस्य तन्वी खन्ना ने भी अभियान को सकारात्मक बताया। उनके मुताबिक टीम ने शीर्ष स्तर पर अपनी क्षमता साबित की और खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भारतीय स्काश में तेजी से हो रही प्रगति को सामने रखा। अब अनाहत और उनकी साथी खिलाड़ियों की नजरें अगले बड़े मुकाबलों पर हैं। एशियाई खेलों का रजत पदक उनके लिए मंजिल नहीं, बल्कि ओलंपिक की राह का नया पड़ाव है।

सहवाग के बेटे को मिली बड़ी जिम्मेदारी आर्यवीर संभालेंगे दिल्ली अंडर-19 की कप्तानी संभालेंगे; बल्ले से पहले ही मचा चुके हैं धमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में वीरेंद्र सहवाग का नाम विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। अब उनके बेटे आर्यवीर सहवाग भी क्रिकेट के मैदान पर अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। 18 वर्षीय आर्यवीर को वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए दिल्ली अंडर-19 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह पहली बार है जब उन्हें किसी बड़ी टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। प्रतियोगिता का आयोजन 8 अक्टूबर से विशाखापत्तनम में किया जाएगा। आर्यवीर के चयन के साथ ही उन पर टीम को बेहतर नेतृत्व देने की बड़ी जिम्मेदारी भी आ गई है। आर्यवीर हाल के महीनों में लगातार चर्चा में रहे हैं। उन्होंने हाल ही में राजकोट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई युवा एकदिवसीय श्रृंखला में भारत अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया था।



297 रन की पारी ने खींचा था ध्यान

आर्यवीर की बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण उनकी 297 रन की ऐतिहासिक पारी है। 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी के दौरान मेघालय के खिलाफ उन्होंने यह विशाल पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के बाद क्रिकेट जगत की नजरें इस युवा बल्लेबाज पर टिक गई थीं। इसके अलावा वेह दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से भी खेल चुके हैं। लगातार अलग-अलग स्तर पर खेलने का अनुभव अब उनकी कप्तानी में भी काम आ सकता है। आर्यवीर पर स्वाभाविक रूप से अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की विरासत का दबाव भी रहेगा। हालांकि उन्होंने अब तक अपने प्रदर्शन से यह संकेत दिया है कि वह अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित-कोहली के 2027 वर्ल्ड कप पर गिल ने खोला राज, बोले

अब ज्यादा प्रयोग का समय नहीं, विश्व कप से पहले तय करनी होगी मजबूत टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम कर ली, लेकिन आगिरी मुकाबले में मिली हार के बाद चर्चा मैच के नतीजे से ज्यादा रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर रही। दोनों दिग्गजों के संन्यास और 2027 वनडे विश्व कप में उनके खेलने को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इन अटकलों पर काफी हद तक विराम लगा दिया है।

तीसरे वनडे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने रोहित और विराट के मौजूदा फॉर्म की जमकर तारीफ की। कप्तान के बयान से संकेत मिला कि भारतीय टीम की विश्व कप तैयारियों में फिलहाल दोनों अनुभवी बल्लेबाजों की भूमिका बेहद अहम है। गिल ने यह भी स्पष्ट किया कि विश्व कप से पहले टीम को अब ज्यादा प्रयोग करने के बजाय अपनी मजबूत टीम तैयार करने पर ध्यान देना होगा। शुभमन गिल ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम को जब भी दोनों दिग्गजों की जरूरत पड़े, उन्होंने बल्ले से अहम योगदान दिया है। गिल ने रोहित की हालिया पारियों का विशेष तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि रोहित भाई ने पिछली चार पारियों में शानदार बल्लेबाजी की है। वहीं विराट भी बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। कप्तान ने केएल राहुल के योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया और कहा कि जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने टीम के लिए उपयोगी पारियां खेलीं।



विश्व कप से पहले प्रयोग पर लगानी होगी लगाम

गिल से जब पूछा गया कि क्या 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टीम युवा खिलाड़ियों को ज्यादा मौके देने के लिए रोहित और विराट को आराम दे सकती है, तो उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए कि अब टीम के पास ज्यादा प्रयोग करने का समय नहीं है। कप्तान के मुताबिक विश्व कप में अब बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है। ऐसे में टीम प्रबंधन को अपनी मजबूत प्लेइंग इलेवन तैयार करने पर ध्यान देना होगा। खिलाड़ियों के

बीच बेहतर तालमेल और मैदान पर एक-दूसरे को समझना विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता में बेहद महत्वपूर्ण होगा। गिल का यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि वनडे विश्व कप 2027 में अब टीम इंडिया को अपनी अंतिम रणनीति और संयोजन पर तेजी से काम करना होगा। ऐसे में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाना टीम प्रबंधन के सामने बड़ी चुनौती होगी।

बल्ला दे रहा जवाब

विराट कोहली को लेकर उम्र और भविष्य के सवाल लगातार उठते रहे हैं, लेकिन मैदान पर उनका प्रदर्शन इन सवालों का जवाब देना नजर आ रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में भी विराट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का 55वां शतक पूरा किया।



आलोक गोस्वामी खेल विश्लेषक

दौरान रिकॉर्डेंडो 10 शतक और पांच अर्धशतक लगे। गेंदबाजों का प्रति विकेट औसत करीब 70 रन और इकॉनमी रेट 7.5 रन प्रति ओवर रहा। सवाल इसलिए गंभीर है कि इसे बल्लेबाजों की दमदार काबिलियत माना जाए या गेंदबाजों की नाकामी?

मेरे नजरिये से दोनों में से किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। असली सवाल इससे कहीं बड़ा है, क्या भारतीय सरजमीं पर किसी भी फॉर्मेट की सीरीज का रिजल्ट केवल खिलाड़ियों की काबिलियत से तय होता है? घरेलू मैदानों पर सफेद और लाल गेंद के क्रिकेट में प्रदर्शन का इतना बड़ा अंतर क्यों दिखाई दे रहा है? जब घरेलू परिस्थितियों में अलग-अलग फॉर्मेट के खेल का चरित्र ही बदल जाए, तो सवाल सिर्फ

खिलाड़ियों पर नहीं टिक सकता। क्रिकेट बोर्ड की नीतियों, घरेलू क्रिकेट की प्राथमिकता और सबसे बड़कर पिच तैयार करने की प्रोसेस और उसकी अहमियत पर भी चर्चा जरूरी है। कहीं ऐसा तो नहीं कि व्यावसायिक दबाव और टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव ने रेड बॉल के खेल को पीछे धकेल दिया है? क्या चयन का आधार घरेलू क्रिकेट से ज्यादा छोटे फॉर्मेट और आईपीएल के प्रदर्शन तक सिमटता जा रहा है? इतना ही नहीं सबसे बड़ा सवाल भारतीय पिचों को लेकर है। आईपीएल और टी20 क्रिकेट और अब वनडे के लिए जिस तरह की सपाट और बल्लेबाजों के अनुकूल विकेट तैयार की जा रही हैं, उन पर गेंदबाज अक्सर बेअसर होते जा रहे हैं। इसके ठीक उलट टेस्ट क्रिकेट में ज्यादातर बार ऐसे हालात देखने को मिलते हैं, जहां गेंदबाजों का दबदबा इतना अधिक होता है कि मुकाबले तीन दिन में ही समाप्त हो जाते हैं। सवाल यह है कि आखिर ऐसी संतुलित पिचें क्यों नहीं तैयार की जा सकतीं, जिन पर बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों के लिए चुनौती बराबर हो? क्रिकेट के रोमांच का असल मजा तभी है, जब काबिलियत की परीक्षा हो, न कि पिच पहले ही मैच का चरित्र तय कर दे। वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में जिस तरह की विकेट देखने को मिलीं, उन्हें एक साल बाद होने वाले विश्व कप की तैयारी का हिस्सा जरूर माना जा सकता है। लेकिन यदि ऐसा है तो इस तैयारी का मकसद भी स्पष्ट होना चाहिए। क्या इस तरह की पिच अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप में मिलेंगी। वैसे सीरीज के बाद कप्तान शुभमन गिल ने टीम चयन में लगातार प्रयोगों पर रोक लगाने की मुश्मा जाहिर की है। अब सवाल यह भी है कि क्या टीम प्रबंधन और बोर्ड घरेलू मैदानों पर लगातार मिल रही सपाट पिचों को लेकर भी उतनी ही गंभीरता दिखाएंगे? क्योंकि विश्व कप की तैयारी सिर्फ टीम चुनने से नहीं, बल्कि सही परिस्थितियों में टीम को परखने से ही पूरी होगी।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

पेरिस के मंच पर जान्हवी का देसी अंदाज, 460 काउंट मलमल साड़ी ने खींचा सबका ध्यान



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपने शानदार फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। फिल्मों के साथ-साथ उनका पहनावा भी अक्सर चर्चा में रहता है। इस बार उन्होंने पेरिस में आयोजित बीओएफ 500 गाला में ऐसा देसी लुक अपनाया, जिसने अंतरराष्ट्रीय फैशन मंच पर भारतीय परंपरा और करीगरी की खूबसूरती को सामने रखा। जान्हवी इस खास समारोह में पंकज एस हैरिटेज के कस्टम परिधान में नजर आईं। उनके इस पूरे लुक को फैशन स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने तैयार किया था।

पारंपरिक करीगरी में दिखा शही अंदाज। जान्हवी की साड़ी में भारतीय वस्त्र परंपरा और आधुनिक फैशन का खूबसूरत मेल दिखाई दिया। साड़ी की प्लोइंग ड्रेपिंग को गोल्ड डिटेिलिंग, मोती, शेंस और खूबसूरत टैसल्स से सजाया गया था। इससे उनका पूरा पहनावा बेहद आकर्षक और शाही नजर आया। खास बात यह रही कि पारंपरिक साड़ी को अंतरराष्ट्रीय फैशन मंच के अनुरूप आधुनिक अंदाज में पेश किया गया।

460 काउंट बंगाल मलमल की खास साड़ी- जान्हवी ने समारोह के लिए ऑफ-व्हाइट रंग की छह गज की साड़ी पहनी थी। इस साड़ी की सबसे खास बात इसका कपड़ा था। रिया कपूर के मुताबिक, इसे 460 काउंट बंगाल मलमल से तैयार किया गया था। यह बेहद महीन और पारंपरिक भारतीय कपड़ा है, जिसे 'बाफ्त-ए-हवा', 'शबनमी' और 'चांदनी' जैसे नामों से भी जाना जाता है। रिया ने इस साड़ी को भारत में बुनी गई थरोहर बताते हुए कहा कि यह भारतीय विरासत के सम्मान का प्रतीक है।

कीमती पत्थरों से सजीं ऑर्नेट स्लीव्स

साड़ी के साथ जोड़ी गई ऑर्नेट स्लीव्स ने जान्हवी के लुक को और खास बना दिया। इन स्लीव्स पर पोल्की, गार्नेट और एमराल्ड जैसे कीमती पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा सराफा टैसल्स, किरण और रेशम की फिजिंग ने पूरे परिधान में राजसी चमक जोड़ दी। साड़ी और स्लीव्स की बारीक करीगरी ने इसे सामान्य फैशन लुक से बिल्कुल अलग बना दिया। जान्हवी ने साड़ी के साथ मैचिंग बस्टियर स्टाइल ब्लाउज पहना था। पतली स्ट्रेप्स और स्वीटहार्ट नेकलाइन वाले इस ब्लाउज ने उनके पारंपरिक परिधान में आधुनिकता का स्पर्श जोड़ा। उनका मेकअप और स्टाइल भी इस लुक के अनुरूप रखा गया, जिससे साड़ी की खूबसूरती और ज्यादा उभरकर सामने आई।

मोना सिंह ने यूके में सेट अपने नए प्रोजेक्ट की दिखाई झलक

अंदाज का पता चलता है। यह फिल्म फैन्स को कुछ नया देने का वादा करती है, जो पारंपरिक फिल्मों की तौर-तरीकों से अलग होगी और कहानी कहने के नए और अनछुए पहलुओं को दिखाएंगी। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को विकास बहल डायरेक्ट कर रहे हैं, जो क्रीन फिल्म के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में भारतीय और इंटरनेशनल एक्टरों और म्यूजिशियन एक साथ काम कर रहे हैं। इसमें जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलीजेह अग्निहोत्री भी शामिल हैं।



1990 दशक के ब्रिटेन पर आधारित है फिल्म

यह फिल्म 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन पर आधारित है और यूके में पंजाबी म्यूजिक मूवमेंट के उदय को दिखाती है। यह एक उतार-चढ़ाव भरा और रोमांचक दौर था, जब अलग-अलग संस्कृतियों के बीच पली-बढ़ी एक पीढ़ी गैराज, बैक-रूम, पाइरेट रेडियो स्टेशन और अंडरग्राउंड गिग्स से अपनी आवाज बुलंद कर रही थी। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने करियर को आकार देने में इंडस्ट्री की भूमिका और अपने फैसलों के बारे में बात की थी। उन्होंने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि 40 प्रतिशत भूमिका इंडस्ट्री की होती है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। काौल्टिइ इकोनॉमिक कॉन्फ्लेव 2026 में दुनिया भर से आए अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने खिवाव को वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में भारत की विकास संभावनाओं, वैश्विक व्यापार व्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु

निर्मित उत्पादों के भंडारण के लिए जंग लगे और ठीक से साफ न किए गए कंटेनरों का उपयोग किया जा रहा था। ऐसी परिस्थितियां खाद्य पदार्थों के दूषित होने का जोखिम बढ़ाती हैं। निरीक्षण के दौरान खाद्य हैंडलिंग क्षेत्रों में कचरा, पुराना स्टॉक, अस्वीकृत सामग्री और स्कूप भी जमा मिला। इसके अलावा परिसर में जंग लगी मशीनें, खड़बता फेंट, नमी वाली दीवारें और क्षतिग्रस्त फर्श ठीकी भी पाई गई। एफएसएसएआई ने यह भी पाया कि कंपनी कई अनिवार्य खाद्य सुरक्षा रिकार्ड और निगरानी प्रणालियों का उचित रखरखाव नहीं कर रही थी। इनमें पानी और तैयार उत्पादों की परीक्षण रिपोर्ट, तापमान निगरानी रिकार्ड, उपकरणों की कैलिब्रेशन जानकारी, डिस्ट्रिब्यूटर्स रिकार्ड, मॉक रिकॉल दस्तावेज, उपभोक्ता शिकायत रजिस्टर, प्रशिक्षण रिकार्ड और ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।

जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वीडिश अर्थशास्त्री एरिक बर्गलॉफ ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से बातचीत में कहा कि वह इस सम्मेलन से इसकी शुरुआत से जुड़े रहे हैं और समय के साथ इसकी गुणवत्ता तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक देशों और प्रतिनिधियों की भागीदारी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां अत्यधिक

बड़ा एक्शन : गंभीर स्वच्छता खामियों के चलते क्रिएटिव बेकर्स का लाइसेंस निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर दो बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल स्थित क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही एक्सेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को अपने जीरा पाउडर के एक बैच को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया गया है। एफएसएसएआई ने बयान में कहा कि क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शन्स की विनिर्माण इकाई के निरीक्षण के दौरान कई गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी कमियां सामने आईं। जांच में खाद्य उत्पादन और हैंडलिंग क्षेत्रों में गंदगी, चिकनाई, धूल, मकड़ी के जाले और मक्खियों की मौजूदगी पाई गई। नियामक के अनुसार, नष्ट होने वाले कच्चे माल को खुले में रखा जा रहा था, जबकि कच्चे माल और अर्ध-



कंपनी कई अनिवार्य खाद्य सुरक्षा रिकार्ड और निगरानी प्रणालियों का उचित रखरखाव नहीं कर रही थी। इनमें पानी और तैयार उत्पादों की परीक्षण रिपोर्ट, तापमान निगरानी रिकार्ड, उपकरणों की कैलिब्रेशन जानकारी, डिस्ट्रिब्यूटर्स रिकार्ड, मॉक रिकॉल दस्तावेज, उपभोक्ता शिकायत रजिस्टर, प्रशिक्षण रिकार्ड और ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।



जम्मू/श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदल रहा है। मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। घाटी में तेज धूप ने दिन का तापमान बढ़ा दिया है। कश्मीर के लगभग सभी शहरों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक चल रहा है। धूप के साथ हल्की टंडक पर्यटकों का मन मोह रही है। सुबह-शाम सर्दी का एहसास होने लगा है जिससे यहां का माहौल खुशनुमा हो गया है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने बताया कि 8 अक्टूबर तक बादल छाए रहेंगे। प्रदेश में कुछ चुनिंदा स्थानों पर हल्की बारिश, गरज के साथ छीटे और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने बताया कि 9 से 10 अक्टूबर तक आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और पहाड़ी इलाकों में हल्की बर्फबारी तथा तेज हवा चलने के आसार हैं। निदेशक ने कहा कि 11 से 14 अक्टूबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे इस दौरान सब और धान की कटाई के साथ-साथ खेती से जुड़े अन्य काम जारी रखें। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक है। काजीगुंड में अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक है।

न्यूज विडो

दिल्ली: रोहिणी कोर्ट के वकील आज हड़ताल पर, नहीं होने देंगे पुलिस की एंट्री

दिल्ली-एनसीआर। रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन ने एक अधिवक्ता के साथ कथित



बदसलूकी और मारपीट के विरोध में सोमवार को जिला अदालत

परिसर में न्यायिक कार्यों से पूर्ण रूप से विरत रहने का आह्वान किया है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस दिन किसी भी जिले के पुलिसकर्मी को कोर्ट परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। तीन अक्टूबर को जारी नोटिस में बार अध्यक्ष राजीव तेहरान और मानद सचिव परदीप खत्री ने बताया कि 29 सितंबर को महेंद्र पार्क थाने में अधिवक्ता कमलदीप के साथ बदसलूकी और मारपीट की गई। मामले को लेकर कार्यकारिणी समिति ने संयुक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी (उत्तर-पश्चिम) और प्रधान जिला एवं

दिल्ली में बस यात्रा: महिलाओं लेना होगा पिंग कार्ड, वर्ना लेना होगा टिकट

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा को लेकर नियम स्पष्ट कर दिए हैं। अब दिल्ली की रहने वाली महिलाओं को मुफ्त सफर के लिए पिंग सहेली स्मार्ट कार्ड (एनसीएमसी) का इस्तेमाल करना होगा। यह व्यवस्था एसी और नॉन-एसी दोनों तरह की बसों पर लागू होगी। जिन महिलाओं के पास पिंग सहेली कार्ड नहीं होगा, उन्हें सामान्य यात्रियों की तरह किराया देकर टिकट लेना पड़ेगा। यह सुविधा ट्रांसजेंडर यात्रियों पर भी लागू होगी। पिंग सहेली स्मार्ट कार्ड इसी साल मार्च में शुरू किया गया था। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) पर आधारित इस कार्ड ने मुफ्त यात्रा के लिए इस्तेमाल होने वाले कागजी पिंग टिकटों की जगह ली है। परिवहन विभाग के अनुसार, महिलाओं को पहले ही इस बारे में सूचना दे दी गई थी।

हरिद्वार: ज्वालापुर में बेकाबू बस का कहर, पांच वाहनों को मारी टक्कर



हरिद्वार। हरिद्वार के ज्वालापुर में सोमवार को तेज रफ्तार बस के अनियंत्रित होने से बड़ा हादसा हो गया। दुर्गा चौक के पास बेकाबू बस ने एक ऑटो और चार कारों को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक त्रिलोक सिंह गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनका एक हाथ कटकर अलग हो गया। उन्हें उपचार के लिए जौलीग्रांट हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा ज्वालापुर के दुर्गा चौक के पास हुआ।

अमृतसर में जीआरपीएफ जवान पर फायरिंग: ड्यूटी से घर लौट रहा था



अमृतसर। अमृतसर में ड्यूटी से घर लौट रहे जीआरपीएफ कर्मचारी पर फायरिंग का मामला सामने आया है। अमृतसर रेलवे स्टेशन पर तैनात सुखचैन सिंह ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने गांव जगदेव खुर्द जा रहे थे। इसी दौरान गांव के पास एक पुली पर मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उन्हें कथित तौर पर घेर लिया और फायरिंग कर दी। हमलावरों की ओर से चलाई गई गोली सुखचैन सिंह के बाएं हाथ में लगी और आर-पार हो गई।

लखनऊ के कई इलाकों में जीवन ठहरा, खाने तक के लिए मारा-मारी

रौद्र रूप में गोमती नदी की बाढ़

लखनऊ, एजेंसी

गोमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से रविवार को दुबग्गा के जेहटा रोड समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया। शाम छह बजे तक जेहटा-माल रोड पर करीब डेढ़ फीट पानी बहने लगा था। माल और इटौंजा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। प्रशासन के मुताबिक, अगले 24 घंटे में गोमती का जलस्तर दो फीट तक और बढ़ सकता है।

प्रशासन की टीम ने हयात नगर मोड़, दौलतखेड़ा, सैथा और बरावन कला समेत प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। पहली मंजिल पर रहने वालों को दूसरी मंजिल पर शिफ्ट होने और गर्भवती महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कहा गया। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए 10 नावों की सुविधा शुरू की गई है।



मुरिकलों से भरा अंतिम सफर, परिजन हुए परेशान



गोमती की बाढ़ से अब अंतिम सफर की राह भी मुश्किल हो गई है। गुलाला घाट के अंत्येष्टि स्थल में तीन दिन से नदी का पानी भरा है। घाट जाने वाली सड़क पर करीब डेढ़ फीट पानी तेज बहाव के साथ बहता रहा। दोपहर करीब एक बजे एक शव वाहन घाट पहुंचा। चालक ने लोगों से पानी की स्थिति की जानकारी ली और धीरे-धीरे वाहन आगे बढ़ाया। बाद में शव को वाहन से उतारकर परिजन पानी से गुजरते हुए चबूतरे तक पहुंचे। अंत्येष्टि स्थल परिसर में भी करीब एक फीट पानी भरा है।

विधायक की गाड़ी रोककर किया प्रदर्शन, भाजपा और सपा के कार्यकर्ता भिड़े

इटौंजा-माल रोड पर बाढ़ पीड़ितों ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। इसी बीच राशन बांटाकर लौट रहे भाजपा विधायक योगेश शुक्ला के काफिले को प्रदर्शनकारियों को हरदा चौराहे पर रोक लिया और गाड़ी के बोनट पर हाथ मारकर विरोध जताया। इस दौरान भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ गाली-गलौज और विधायक व सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और पीएसी ने दोनों को अलग किया और विधायक की गाड़ी को जाम से बाहर निकलवाया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि अकड़िया गांव के बाढ़ पीड़ितों को राशन और अन्य सुविधाएं देने में प्रशासन भेदभाव कर रहा है। एसडीएम आकाश सिंह ने नाव और स्टीमर की मांग आठ घंटे में पूरी कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी सड़क से हटे।

ग्रामीण को अगवा कर आतंकी ने इलाके की जानकारी ली फिर छोड़ा

राजोरी, एजेंसी। राजोरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अपर लांडिया इलाके में शनिवार देर रात तीन सिद्ध आतंकीयों ने अनिल सूदन नामक एक ग्रामीण को उसके घर के पास से गनपॉइंट पर अगवा कर लिया। इलाके की भौगोलिक स्थिति से अनजान इन आतंकीयों ने ग्रामीण का इस्तेमाल दुआ खड़ जंगल तक पहुंचने के लिए गाइड के तौर पर किया। करीब तीन घंटे तक साथ रखने के बाद आतंकीयों ने उसे छोड़ दिया। वहां से वापस लौटकर अनिल ने तुरंत पुलिस को इस पूरी घटना की सूचना दी। घटना की जानकारी सामने आते ही पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

आठ माह से लिब-इन-रिलेशन में रह रहे प्रेमी युगल की दोस्त ने की हत्या, नहर से मिले शव

रोहतक, एजेंसी

दिल्ली के प्रेमी युगल की हत्या का मामला सामने आया है। आसीदा के पास नहर से दोनों के शव बरामद हुए हैं। युवक संदीप नेबूसराय का रहने वाले था जबकि युवती अलीगढ़ की रहने वाली थी। संदीप और कविता सांपला के गांव हसनगढ़ में दोस्तों से मिलने आए थे। सांपला थाने में हसनगढ़ निवासी नितेश उर्फ मेडिस व नितेश उर्फ बच्चा के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। नई दिल्ली स्थित नार्थ एवेन्यू के नेबूसराय निवासी राकेश सिंह ने सांपला पुलिस को शिकायत दी है कि वे तीन भाई व तीन बहनें हैं। बीच वाले भाई संदीप ने सांपला खंड के गांव हसनगढ़ में परचूर की दुकान कर रखी थी। तीन माह पहले संदीप दुकान छोड़कर यूपी निवासी कविता के साथ नेबूसराय में रहने लगा। हालांकि वह अक्सर हसनगढ़ आता-जाता रहता था।



मेडिस व नितेश उर्फ बच्चा के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। नई दिल्ली स्थित नार्थ एवेन्यू के नेबूसराय निवासी राकेश सिंह ने सांपला पुलिस को शिकायत दी है कि वे तीन भाई व तीन बहनें हैं। बीच वाले भाई संदीप ने सांपला खंड के गांव हसनगढ़ में परचूर की दुकान कर रखी थी। तीन माह पहले संदीप दुकान छोड़कर यूपी निवासी कविता के साथ नेबूसराय में रहने लगा। हालांकि वह अक्सर हसनगढ़ आता-जाता रहता था।

मेट्रो एंकर

बंगाल में दुर्गापूजा की तैयारी जोरो पर, पंडालों में सजने लगी झांकियां

नवरात्र में इस बार राम राज से लेकर गंगा यात्रा के दर्शन

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की दुर्गापूजा में इस बार बहुत कुछ नया देखने को मिल रहा है। सरकार बदली है तो कुछ पूजा समितियों की थीम में बदले राजनीतिक-सामाजिक माहौल की झलक भी दिखाई दे रही है, हालांकि पूरे शरदोत्सव की तस्वीर इससे कहीं व्यापक है। कहीं रामराज के जरिये आदर्श समाज, शांति और सुशासन का संदेश है, कहीं गंगा की यात्रा को पंडाल की कहानी बनाया गया है और कहीं पद्म के जरिये भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता को सामने रखा गया है।



सत्ता परिवर्तन के बाद कुशासन से सुशासन की ओर

मध्य कोलकाता की तारा चंद दत्ता स्ट्रीट स्थित यंग बॉयज क्लब ने अपनी 57वीं दुर्गापूजा में रामराज को थीम बनाया है। पंडाल में भगवान राम और हनुमान की प्रतिमाओं के साथ शांति, गरिमा, न्याय और सद्भाव से जुड़े पोस्टर और चित्र होंगे। आयोजकों ने अपनी थीम को मई में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद कुशासन से सुशासन की ओर बदलाव के संदेश से जोड़ा है। पूर्व मेदिनीपुर के कारीगर सुखे पत्तों, फूलों, से पंडाल तैयार कर रहे हैं। आयोजकों के मुताबिक उद्देश्य पंडाल की कलात्मकता के साथ न्याय, जिम्मेदारी, सद्भाव और करुणा का संदेश देना है।

गंगा की यात्रा से पद्म तक

कोलकाता के कुम्हारटोली पार्क की इस साल की थीम गंगोत्री से गंगा है। हिमालय के गंगोत्री से निकलकर गंगा के समुद्र तक पहुंचने की यात्रा को पंडाल की कला और प्रस्तुति के जरिये दिखाया जा रहा है। नदी को भारतीय जीवन, संस्कृति और आस्था से जोड़ते हुए पूरी थीम तैयार की गई है। दक्षिण कोलकाता के न्यू अलीपुर स्थित सुरुचि संघ ने इस बार 'पद्म' को विषय बनाया है। कमल को भारतीय कला, संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह सुरुचि संघ की 74वीं पूजा है।

कुम्हारटोली में परंपरा पर जोर

पंडालों में नई थीम और प्रयोग जारी हैं, लेकिन प्रतिमाओं के मामले में पारंपरिक शाबेकी रूप पर जोर दिखाई दे रहा है। कुम्हारटोली के कारीगर बाबू पाल कहते हैं, भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर ज्यादा जोर है क्या, इस पर कहे तो बिल्कुल जोर तो है ही। बारिश और बढ़ती लागत ने कारीगरों की मुश्किल भी बढ़ाई है।